कार्तिक कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 90 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 23-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

6 गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

7 भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है : निर्मला सीतारमण

फर्स्ट टेक

चक्रवात की आशंका के चलते 150 से अधिक ट्रेन रद्द

कोलकाता/भाषा। गंभीर चक्रवाती तूफान के 25 अक्टूबर को ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों से टकराने की आशंका के मद्देनजर दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) क्षेत्र से गुजरने वाली 150 से अधिक एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। एसईआर के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रद्द की गई ट्रेन में हावड़ा-सिकंदराबाद फलकनुमा एक्सप्रेस, कामाख्या-यशवंतपुर एसी एक्सप्रेस, हावड़ा-पुरी शताब्दी एक्सप्रेस, हावड़ा-भुवनेश्वर शताब्दी एक्सप्रेस और हावड़ा-यशवंतपुर एक्सप्रेस शामिल हैं। एसईआर के अधिकारी ने कहा कि रद्द की गई ट्रेन 23 से 25 अक्टूबर तक अपने शुरुआती स्टेशनों से प्रस्थान करने वाली थीं। जरूरत पड़ने पर दक्षिण पूर्व क्षेत्र से गुजरने वाली और भी ट्रेन रद्द की जा सकती हैं। कोलकाता मुख्यालय वाले एसईआर क्षेत्र में पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड आदि आते हैं।

इस्लामिक स्टेट समूह के कमांडर और 8 अन्य को इराकी सुरक्षा बलों ने मार गिराया

बगदाद/एपी। इराक के प्रधानमंत्री शिया अल-सुदानी ने मंगलवार को घोषणा की कि इराक में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट का कमांडर समूह के आठ अन्य बड़े पदाधिकारियों के साथ मारा गया है। अल-सुदानी ने कहा कि सलाहुद्दीन प्रांत के हमरीन पहाड़ों में संयुक्त अभियान कमान के तहत आतंकवाद रोधी बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा द्वारा संचालित एक अभियान में जासिम अल-मजरूई अबू अब्दुल कादिर मारा गया। उन्होंने एक बयान में कहा, ''इराक में आतंकवादियों के लिए कोई जगह नहीं है और हम उनके ठिकानों तक उनका पीछा करेंगे और उनका खत्मा करेंगे।''

नागपुर में शालीमार एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। लोकमान्य तिलक टर्मिनस-शालीमार एक्सप्रेस के दो डिब्बे मंगलवार दोपहर यहां पटरी से उतर गए, लेकिन इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुंबई से कोलकाता जा रही लोकमान्य तिलक टर्मिनस-शालीमार कुरला एक्सप्रेस की पार्सल वैन के चार पहिए और एक डिब्बे के चार पहिए नागपुर में कलमना लाइन पर पटरी से उतर गए। यह घटना दोपहर करीब दो बजे हुई। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ और रेलवे की टीम पांच मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि शीर्ष अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और डिब्बों को पटरी पर लाने का काम जारी है।

23-10-2024 सूर्यास्त 5:45 बजे	24-10-2024 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
80,220.72 (-930.55)	24,472.10 (-309.00)

सोना	चांदी
8,200 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	110,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

युद्ध और शांति

युद्ध यदि होगा जगत में,
तो धरा मरुथल बनेगी।
दानवों का राज होगा,
व्यवस्था जंगल बनेगी।
धर्म होंगे नष्ट सारे,
प्रीत भी दंगल बनेगी।
शांति ही उपचार इसका,
अहिंसा ही हल बनेगी।।

बेंगलूरु में वर्षाजनित विभिन्न घटनाओं से पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारी बारिश के बाद हेन्नूरु रोड स्थित बाबूसापाल्या में एक निर्माणाधीन इमारत के ढह जाने से उसकी चपेट में आकर तीन मजदूर की मौत हो गई

बेंगलूरु। बेंगलूरु में मंगलवार को वर्षाजनित विभिन्न घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जहां पिछले तीन दिन से लगातार बारिश के कारण कई आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए और सड़कों पर जलभराव हो गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भारी बारिश के बाद हेन्नूरु रोड स्थित बाबूसापाल्या में एक निर्माणाधीन इमारत के ढह जाने से उसकी चपेट में आकर तीन मजदूर की मौत हो गई, जबकि केंगेरी झील में दो बच्चे डूब गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इमारत ढहने वाली जगह से चौदह लोगों को बचा लिया गया जबकि तीन लोग अब भी लापता हैं। घटना स्थल पर राहत कार्य चल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रात्रि में घटना स्थल का दौरा किया और राहत कार्य में तेजी लाने की बात कही।

वहीं अधिकारियों ने बुधवार को बारिश के 'आरेंज अर्ल्ट' होने के चलते स्कूल में अवकाश घोषित कर दिया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की पांच टीम को मंगलवार को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से लोगों को निकालने के लिए तैनात किया गया, जिसमें सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक यलहंका भी शामिल है। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका के अनुसार मंगलवार आधी रात से मंगलवार सुबह छह बजे तक सिर्फ छह घंटों में यलहंका में 157 मिलीमीटर (छह इंच) बारिश हुई। बारिश से तबाह बेंगलूरु में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। वहीं सड़कों पर गड्ढों से जुड़ी घटनाओं की खबरें भी सामने आई हैं, जिससे लोगों में आक्रोश है। विपक्षी दलों ने भी इस स्थिति के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हमला बोला है।

■ सड़कों पर चली नाव

बेंगलूरु में मंगलवार को सुबह बेंगलूरु की सड़कों पर नाव चलती दिखी। सोमवार रात को आई तेज बारिश और झीलों के भर जाने से आसपास पानी भर जाने से बेंगलूरु के यलहंका के केन्द्रीय विहार अपार्टमेंट और उसके आसपास के क्षेत्रों में नाव से लोगों का सुरक्षित स्थान पर लाया गया।

नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के चार्टर में बदलाव किए जाएंगे : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि उनका मंत्रालय चार महीने के भीतर नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के चार्टर में बदलाव करेगा ताकि इसे और अधिक प्रासंगिक और उपयोगी बनाया जा सके।

शाह ने यहां नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड के 14वें अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड की भूमिका नहीं बदली गई तो वे अप्रासंगिक हो जाएंगे।

मंत्री ने कहा, ''मेरा मानना है कि आज देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इन दोनों संगठनों की भूमिका पर पुनर्विचार करने की जरूरत है ताकि उन्हें और अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके।'' उन्होंने कहा कि ये बदलाव चार महीने में लागू हो जाएंगे और इसमें कई नयी चीजें जोड़ी जाएंगी। शाह ने कहा, ''...हम इसे प्रासंगिक बनाएंगे और उपयोगी बनाने की कोशिश करेंगे तथा इसमें नयी चेतना, नया जीवन लाने की दिशा में काम करेंगे।'' उन्होंने कहा कि अगर किसी संगठन का चार्टर पचास साल तक नहीं बदला जाता है, तो संगठन और चार्टर दोनों ही अप्रासंगिक हो जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''भारत ने पिछले पचास वर्षों में आमूलचूल परिवर्तन देखे हैं। प्रौद्योगिकी की वजह से हमारी आवश्यकताएं बदल गई हैं और देश आगे बढ़ गया है। भले ही कोई युद्ध न हो, लेकिन (नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड) आपदा प्रबंधन और यातायात प्रबंधन से जुड़ सकते हैं।''

16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के कजान पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के लिए भारत हर संभव सहयोग देने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मोदी ने पुतिन के साथ की वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा

कजान/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के बीच 16 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व यहां यूक्रेन-रूस संघर्ष सहित वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य पर गहन विचार मंत्रणा हुई।

मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मंगलवार दोपहर को रूस के कजान पहुंचे जहां उनकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई। मोदी का हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल के आतिथ्य और सत्कार के लिए रूसी राष्ट्रपति का हार्दिक आभार व्यक्त किया। मोदी ने मेज़बान रूस के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति पुतिन के साथ यहां बहुत अच्छी मुलाक़ात हुयी। भारत और रूस के बीच सम्बन्ध बहुत गहरे हैं, हमारी बातचीत इस बात पर केंद्रित थी कि विभिन्न क्षेत्रों में हमारी द्विपक्षीय भागीदारी को और सशक्त कैसे किया जाये।

मोदी ने आज यहां पुतिन से द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें दोनों देशों की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को और मज़बूत बनाने पर चर्चा की गयी।

प्रधानमत्री ने कहा, महानुभाव, मैं गर्मजोशी भरे आतिथ्य और सत्कार के लिए आपका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मेरे लिये खुशी की बात है कि कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिला है। इस शहर के साथ तथ्य गहरे और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। कजान में भारत के नये वाणिज्य दूतावास के खुलने से यह संबंध और मजबूत होंगे।

मोदी ने कहा, पिछले तीन महीनों में मेरा दो बार रूस आने हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से मुलाकात की

कजान (रूस)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की। ईरान और इजराइल के मध्य बढ़ते तनाव के बीच पेजेशकियन ने पश्चिम एशिया में शांति की आवश्यकता पर बल दिया तथा सभी पक्षों के साथ भारत के अच्छे संबंधों के कारण संघर्ष को कम करने में उसकी भूमिका पर जोर दिया। जुलाई में चुनाव जीतने के बाद राष्ट्रपति बने पेजेशकियन और मोदी के बीच यह पहली मुलाकात है।

वक्फ बैठक : कल्याण बनर्जी ने बोतल तोड़कर पाल की तरफ फेंकी, एक दिन के लिए निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के साथ तीखी बहस के दौरान बनर्जी ने गुस्से में आ गए और बोतल तोड़कर फेंकी।

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में मंगलवार को उस समय बहुत ही नाटकीय घटनाक्रम हुआ जब तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने पानी वाली कांच की बोतल तोड़कर समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल की तरफ फेंक दी, जिसके बाद उन्हें एक दिन के लिए समिति की बैठक से निलंबित कर दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के साथ तीखी बहस के दौरान बनर्जी ने गुस्से में आ गए और बोतल तोड़कर फेंकी।

समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बनर्जी के आचारण की निंदा करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें सद्बुद्धि दे। उन्होंने कहा, ''वह सारी सीमाओं को लांघ गए थे, सारी मर्यादा को लांघ गए थे....समिति की अगली बैठक से उन्हें निष्कासित किया गया है।''

पाल ने कहा कि इस घटना के तत्काल बाद उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फोन पर अवगत करा दिया। उन्होंने कहा, ''मैं चार दशक से संसदीय जीवन में हूं। ऐसा कभी नहीं देखा। कल कोई रिवाल्वर लेकर आए। इस तरह की घटना से आहत हूं। समिति ने बहुत भारी मन से (निलंबित करने) फैसला किया है।

बोतल तोड़कर फेंकने के दौरान बनर्जी के अंगूठे और कनिष्ठा (सबसे छोटी अंगुली) में चोट लग गई जिस वजह से उन्हें प्राथमिक उपचार देना पड़ा।

मंगलवार को भी 50 उड़ानों में बम की धमकी मिली

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित करीब 50 घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम होने की मंगलवार को धमकी मिली। इसी के साथ सोमवार रात से अबतक 80 उड़ानों में बम की धमकी मिल चुकी है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पूरे घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को एयर इंडिया और इंडिगो की 13-13 उड़ानों, अकासा एयर की 12 से अधिक उड़ानों और विस्तारा की 11 उड़ानों को धमकी मिली। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा की 10-10 उड़ानों को धमकियां मिली थीं, जबकि जेद्दा जाने वाली इंडिगो की तीन उड़ानों का रास्ता बदला गया और उन्हें सऊदी अरब और कतर के हवाई अड्डों पर उतारा गया।

नेतन्याहू के आवास पर ड्रोन हमले में हमारा हाथ : हिजबुल्ला

बेरूत/एपी। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि गत सप्ताहांत इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाकर किये गए ड्रोन हमले में उसके समूह का हाथ है।

मोहम्मद अफीफ ने बेरूत में मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में भविष्य में हिजबुल्ला द्वारा भविष्य में और हमले करने का संकेत देते हुए कहा कि अगर पिछले हमले में नेतन्याहू घायल नहीं हुए हैं, '' तो आने वाले दिन और रात और (लड़ाई का) मैदान हमारे बीच है।''

अफीफ ने कहा कि नेतन्याहू के आवास को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमले में हिजबुल्ला पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि समूह ने इस हमले को स्वयं अंजाम दिया।

हिजबुल्ला ने दागे मध्य इजराइल में कई रॉकेट

तेल अवीव/एपी। हिजबुल्ला ने मंगलवार को मध्य इजराइल में कई रॉकेट दागे, जिससे देश के सबसे घनी आबादी वाले इलाकों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। हालांकि इन हमलों में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला गाजा युद्धविराम वार्ता को फिर से शुरू करने के मिशन पर अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन के क्षेत्र में पहुंचने से कुछ घंटे पहले हुआ। इजराइली सेना ने कहा कि लेबनान से इजराइल में पांच रॉकेट दागे गए और इनमें से अधिकतर को इजराइल की मिसाइल रक्षा प्रणाली ने हवा में ही नष्ट कर दिया। एक रॉकेट खुले क्षेत्र में गिरा।

नाटो निमंत्रण पर अमेरिका की हरी झंडी ही 'अनिच्छुक' जर्मनी को प्रभावित कर सकती है : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को उम्मीद है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद उनकी तथाकथित 'विजय योजना' पर सहयोगी अधिक सकारात्मक रुख अपनाएंगे।

हालांकि, जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि उनकी प्रमुख मांग - उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने के निमंत्रण - को लेकर कुछ प्रमुख पश्चिमी साझेदार, विशेष रूप से जर्मनी ''अनिच्छुक'' नजर आता है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस संभवतः यूक्रेन के साथ युद्ध विराम वार्ता की संभावना का आकलन करने के लिए अमेरिका में चुनाव के बाद के परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। जेलेंस्की ने सोमवार को पत्रकारों से यह बातें कहीं।

नाटो में शामिल होने के संबंध में जेलेंस्की ने कहा कि फ्रांस, ब्रिटेन और इटली ने समर्थन के संकेत दिए हैं। हालांकि, जर्मनी की तरफ से कुछ संशय की स्थिति नजर आती है।

पॉक्सो मामला : एकता कपूर और उनकी मां को मुंबई पुलिस ने किया तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। फिल्म निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर को एक वेब सीरीज के दौरान नाबालिग लड़कियों के कथित अश्लील चित्रण को लेकर उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले के संबंध में 24 अक्टूबर को मुंबई पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पिछले हफ्ते अदालत के आदेश पर मां-बेटी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उन्हें जांच का सामना करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्हें बृहस्पतिवार को पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है।

इस बीच अल्ट डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने कहा कि कंपनी द्वारा नाबालिगों को शामिल करने का कोई भी संदर्भ सही नहीं है।

अल्ट बालाजी टेलीफिल्म लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार, शोभा और एकता दैनिक संचालन में शामिल नहीं हैं। अलग-अलग टीम विषय-वस्तु रणनीति में शामिल हैं। एकता की अल्ट बालाजी टेलीफिल्म लिमिटेड की ओर से जारी एक बयान में, अल्ट डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट लिमिटेड ('कंपनी') ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि वे कानूनों का पालन करते हैं। बयान में यह भी कहा गया कि शोभा और एकता कंपनी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में शामिल नहीं हैं तथा विषय-वस्तु रणनीति के लिए अलग-अलग टीम हैं।

मंत्रिमंडल जाति जनगणना पर चर्चा करेगा, रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए : जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट जिसे जातिगत जनगणना के रूप में भी जाना जाता है, पर मंत्रिमंडल की अगली बैठक में चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न समुदायों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को तोड़ना होगा और यदि आवश्यकता हुई तो कर्नाटक सरकार अन्य राज्यों की तरह इस पर चर्चा करेगी और निर्णय लेगी।

परमेश्वर ने कहा, ''मुख्यमंत्री ने कहा है कि जाति जनगणना रिपोर्ट मंत्रिमंडल की अगली बैठक में रखी जाएगी और इसके पक्ष-विपक्ष पर चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। संभवतः मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इसे पेश किया जाएगा। हम इस पर चर्चा करेंगे।'' उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वेक्षण में करीब 160 करोड़ रुपये खर्च किए गए और अगर रिपोर्ट लोगों के सामने नहीं रखी गई तो यह बेकार हो जाएगी तथा लोगों को कम से कम यह तो पता होना चाहिए कि इसमें क्या है। मंत्री ने कहा, ''अगर इसे सार्वजनिक नहीं किया गया तो हमारी सरकार और मुख्यमंत्री पर आरोप लगाए जाएंगे कि हमने रिपोर्ट को दबा दिया...।'' मंत्रिमंडल की अगली बैठक 28 अक्टूबर को होने वाली है।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपने तत्कालीन अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में 29 फरवरी को मुख्यमंत्री को रिपोर्ट सौंपी थी। समाज के कुछ वर्गों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर भी इसके क्रियान्वयन को लेकर आपत्ति जताई गई थी। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों-वोक्कालिगा और लिंगायत ने सर्वेक्षण पर आपत्ति जताते हुए इसे ''अवैज्ञानिक'' बताया तथा मांग की कि इसे खारिज किया जाए तथा नया सर्वेक्षण कराया जाए। दो प्रभावशाली समुदायों की ओर से कड़ी आपत्ति के साथ, यह सर्वेक्षण रिपोर्ट कांग्रेस नीत सरकार के लिए राजनीतिक रूप से एक बड़ा मुद्दा बन सकती है, क्योंकि इससे टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है तथा दलित और अन्य पिछड़े वर्ग के लोग इसे सार्वजनिक करने की मांग कर सकते हैं। उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं।

उन्होंने अन्य कुछ मंत्रियों के साथ मिलकर मुख्यमंत्री को समुदाय द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें अनुरोध किया गया कि आंकड़ों सहित रिपोर्ट को अस्वीकार कर दिया जाए। वीरशैव-लिंगायतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय वीरशैव महासभा ने भी सर्वेक्षण पर अपनी असहमति जताई है और नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की है। इस महासभा के अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक एस शिवशंकरप्पा हैं। कई लिंगायत मंत्रियों और विधायकों ने भी इस पर आपत्ति जताई है।

ड्रोन उद्योग को आगे बढाने के लिए सबसे आगे रहेगा आंध्र प्रदेश : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को वादा किया कि ड्रोन उद्योग को बढ़ाने और प्रदेश को 'ड्रोन हब' में बदलने के लिए वह सबसे अच्छे 'एंबेसडर' होंगे।

नायडू ने गुंटूर जिले के मंगलागिरी में दो दिवसीय राष्ट्रीय ड्रोन शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश ड्रोन अनुप्रयोगों के लिए परीक्षण स्थल होगा। उन्होंने कहा '' आपने जिन ड्रोनों का इस्तेमाल किया है उन्हें हमें दीजिए हम उनका परीक्षण करेंगे।'' नायडू ने कहा कि राज्य सरकार 22 और 23 अक्टूबर को हो रहे इस दो दिवसीय सम्मेलन में इस्तेमाल किए गए 150 ड्रोनों को रखने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ड्रोन उद्योग भविष्य का रुख बदलने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि इन मानवरहित हवाई वाहनों के कई उपयोग हैं।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) पार्टी के प्रमुख ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य 20,000 ड्रोन पायलटों को प्रमाण पत्र सौंपना और ड्रोन निर्माण में 80 प्रतिशत स्वदेशीकरण हासिल करना है।

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय को 300 एकड़ जमीन आवंटित करने का वादा करते हुए नायडू ने केंद्र से कुरनूल जिले के ओर्वाकल में एक ड्रोन प्रमाणन केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने ड्रोन कंपनियों से अपील की कि वे अपनी लागत को उचित रखें तथा इस तकनीक को व्यापक रूप से अपनाने के लिए लालच से बचें। इससे पहले, नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार ड्रोन आयात नहीं करना चाहती है, क्योंकि वह चाहती है कि देश के लोग ही इनका निर्माण करें। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्र ने ड्रोन परिवेशी तंत्र के लिए नियमों को उदार बनाया है और 27 कंपनियों को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से लाभान्वित करने में सक्षम बनाया है।

यह देखते हुए कि भारत पिछले कुछ वर्षों में ड्रोन हब के रूप में उभरा है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार इस उद्योग को और आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा, भविष्य में आंध्र प्रदेश में ड्रोन हब बनने की संभावना है... हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आंध्र प्रदेश अपनी क्षमता के अनुसार विकास करे। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दक्षिणी राज्य दुनिया का ड्रोन हब बनकर उभरे।

इस मेगा-ड्रोन शिखर सम्मेलन में ड्रोन हैकथॉन, प्रदर्शनियाँ और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी होगी। शिखर सम्मेलन में 1,711 प्रतिनिधियों और 1,306 आगंतुकों के भाग लेने की उम्मीद है।

सीबीआई ने शिवकुमार के खिलाफ कर्नाटक सरकार के सहमति वापस लेने पर न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए जांच एजेंसी को दी गई सहमति वापस लेने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। तेईस नवंबर, 2023 को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए सीबीआई को सहमति देने के संबंध में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के 2019 के कदम को कानून के अनुसार नहीं माना और परिणामस्वरूप मंजूरी वापस लेने का फैसला किया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 29 अगस्त को सीबीआई और भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा दायर याचिका को ''गैर-विचारणीय'' करार दिया, जिसमें कांग्रेस सरकार के सहमति वापस लेने के फैसले को चुनौती दी गई थी। हालांकि, पाटिल ने उच्च न्यायालय के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी, जिसने शिवकुमार और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। सत्रह सितंबर को न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पाटिल द्वारा दायर याचिका पर शिवकुमार और राज्य सरकार को नोटिस जारी किए थे।

सीबीआई ने आरोप लगाया था कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। इस अवधि के दौरान वह तत्कालीन कांग्रेस सरकार में मंत्री थे।

केंद्र सरकार ने रायचूर हवाई अड्डे को दी हरी झंडी : मंत्री एनएस भोसराजू

बेंगलूरु। कई दिनों से अधर में लटके रायचूर एयरपोर्ट को आखिरकार केंद्र सरकार से हरी झंडी मिल गई है। लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस भोसराजू ने कहा कि केंद्र सरकार के उड्डयन मंत्री से हुई चर्चा में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने आज प्रेस बयान देकर एयरपोर्ट को केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने की जानकारी दी। साथ ही बजट में भी इसका जिक्र किया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने इस संबंध में विशेष ध्यान रखा और केंद्र सरकार के साथ समन्वय किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार रायचूर शहर में हवाई अड्डे के निर्माण के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। इसके बाद, कर्नाटक राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम द्वारा आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। उद्योग और बुनियादी ढांचा मंत्री एमबी पाटिल और रायचूर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने भी विशेष जोर दिया।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम में नरमी की उम्मीद: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया के पास पर्याप्त कच्चा तेल है और बाजार में आपूर्ति अधिक हो रही है, इससे कच्चे तेल की कीमतें कम होने की उम्मीद है।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से अलग से बातचीत कहा, ''तेल की कोई कमी नहीं है।'' लेकिन वैश्विक स्तर पर तनाव के कारण संघर्ष वाले क्षेत्रों से बचने के लिए माल ढुलाई और बीमा शुल्क बढ़ जाता है जिसके कारण कीमतें बढ़ जाती हैं। पुरी ने उम्मीद जताई कि बेहतर समझ कायम होगी और कूटनीति को प्राथमिकता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तनाव के बावजूद दुनिया में कच्चे तेल की कोई कमी नहीं है और ब्राजील और गुयाना जैसे देशों से अधिक आपूर्ति बाजार में हो रही है। मंत्री ने कहा कि उपलब्धता को लेकर कोई चिंता नहीं है, हम समस्या से पार पाने को लेकर आश्वस्त हैं। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है और वैश्विक दरों में कोई भी वृद्धि न केवल आयात बिल को बल्कि मुद्रास्फीति को भी बढ़ाती है। उन्होंने कहा, ''निजी तौर पर मेरा मानना है कि तेल की कीमतें स्थिर रहेंगी और नीचे आएंगी...।'' इस महीने की शुरुआत में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गयी थीं।

आईएमएफ का अनुमान, 2024 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

वाशिंगटन/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के 2023 के 8.2 प्रतिशत से घटकर 2024 में सात प्रतिशत पर आने का अनुमान है। 2025 में यह और घटकर 6.5 प्रतिशत रहेगी। । आईएमएफ ने कहा कि कोविड महामारी की वजह से बनी दबी मांग खत्म हो गई है, क्योंकि अर्थव्यवस्था अपनी क्षमता के साथ फिर से आकार ले रही है।

आईएमएफ ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में कहा कि मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई काफी हद तक जीत ली गई है, हालांकि कुछ देशों में कीमतों का दबाव बना हुआ है। प्रमुख मुद्रास्फीति 2022 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 9.4 प्रतिशत की ऊंचाई पर पहुंच गई थी, जिसके बाद यह 2025 के अंत तक गिरकर 3.5 प्रतिशत तक आ सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह 2000 और 2019 के बीच 3.6 प्रतिशत के औसत स्तर से भी कम होगा। आईएमएफ ने यहां जारी वार्षिक विश्व आर्थिक परिदृश्य में अनुमान लगाया कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि 2024 और 2025 में 3.2 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी।

गांदरबल आतंकवादी हमला : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने घटनास्थल का दौरा किया

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके का दौरा किया, जहां एक सुरंग निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले में सात लोग मारे गए थे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने मध्य कश्मीर जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर गगनगीर में जेड-मोड़ सुरंग पर आतंकी हमला स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल ने सुरंग निर्माण एजेंसी एपीसीओ इंफ्राटेक के अधिकारियों और श्रमिकों से बातचीत की, स्थिति का जायजा लिया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की। रविवार को सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों के हमले में एक चिकित्सक और छह मजदूरों की मौत हो गई थी।

चांदी एक लाख रुपए के पार, सोना 350 रुपए की बढ़त के साथ नए रिकॉर्ड पर

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 350 रुपए की तेजी के साथ 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत 1,500 रुपए के उछाल के साथ एक लाख रुपए प्रति किलोग्राम के भाव को पार कर गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। चांदी की कीमतों में लगातार पांचवे दिन बढ़त जारी रही और यह 1,500 रुपए के उछाल के साथ 1.01 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 99,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थीं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पूर्णकालिक निदेशक अरुण मिश्रा ने कहा कि चांदी में जारी तेजी का मुख्य कारण औद्योगिक मांग है। इसके अलावा आभूषण और चांदी के बर्तन खंड के कारण भी तेजी आई है। इसके अलावा, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 350 रुपए चढ़कर 80,600 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सर्राफा कारोबारियों ने सोने की कीमतों में उछाल की वजह त्योहारी और शादी-विवाह के मौसम में बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए स्थानीय आभूषण विक्रेताओं की खरीदारी में आई तेजी को बताया।

पुलिस ने फर्जी अदालत का भंडाफोड़ किया, 'न्यायाधीश' बनकर फैसला सुना रहा था आरोपी

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में पुलिस ने एक फर्जी अदालत का भंडाफोड़ किया है जिसमें एक व्यक्ति खुद को न्यायाधीश बताता था और वह गांधीनगर इलाके में खासतौर से भूमि सौदों में 2019 से 'फैसले' पारित कर रहा था। गिरफ्तार आरोपी मॉरिस सैमुअल क्रिश्चियन पर धोखाधड़ी का आरोप है। उसने कई लोगों को यह विश्वास दिलाया कि उसकी अदालत वैध है। पुलिस ने बताया कि इस साजिश के कर्ताधर्ता क्रिश्चियन ने भूमि सौदों में फंसे लोगों को अपने झांसे में लिया और भारी-भरकम रकम के बदले में उनके पक्ष में फैसले सुनाए।

उसकी फर्जी अदालत बिल्कुल असली अदालत कक्ष की तरह लगती थी और वह सालों तक इसमें फैसले सुनाता रहा जिसकी भनक किसी को नहीं लगी। इस फर्जी अदालत की शुरुआत 2019 में हुई।

शुरुआती जांच से पता चलता है कि क्रिश्चियन ने भूमि विवादों में फंसे लोगों को अपने जाल में फंसाया और उन्हें मोटी फीस के बदले में त्वरित मुकदमा सुलझाने का वादा किया। न्यायाधीश की भूमिका निभाकर उसने व्यक्तिगत लाभ के लिए न्याय की प्रक्रिया में हेरफेर करके कमजोर लोगों का शोषण किया।

इस व्यापक साजिश में क्रिश्चियन के साथी भी शामिल रहे जो खुद को अदालत कर्मी बताते थे ताकि अपने झांसे में आए लोगों को ठगने के लिए यह विश्वास दिला सकें कि यह अदालत असली है। पुलिस ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि क्रिश्चियन ने 2019 में भी ऐसी ही चालबाजी से एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया।

बीमा दायरा बढ़ाने को दूरसंचार कंपनियों, ई-कॉमर्स के साथ किया जा सकता गठजोड़: एलआईसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने मंगलवार को कहा कि देश में दूरदराज क्षेत्रों तक बीमा का दायरा बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स और दूरसंचार नेटवर्क का उपयोग करने की जरूरत है।

मोहंती ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रम में कहा, ''चूंकि हम 'सभी के लिए बीमा' के बारे में गंभीर हैं, ऐसे में हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि बीमा उत्पादों का वितरण और विपणन कैसे किया जाए।'' उन्होंने कहा कि एजेंट, ब्रोकर और बैंक-एश्योरेंस यानी बैंक और बीमा कंपनियों के बीच की व्यवस्था सहित मौजूदा माध्यम प्रभावी तो रहे हैं, लेकिन देश के प्रत्येक नागरिक के लिए बीमा लेने की चुनौती को देखते हुए इसकी अपनी सीमाएं हैं। मोहंती ने कहा कि मौजूदा मॉडल में विशेष रूप से, दूरदराज और सेवा से पूरी तरह से वंचित गांवों में बीमा ले जाने की 'सीमाएं' हैं। ऐसे में यह समय गैर-पारंपरागत माध्यमों पर ध्यान देने का है ताकि हम अपने लक्ष्य में कामयाब हो पाएं।

उन्होंने कहा, ''दूरसंचार कंपनियों, वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और ई-कॉमर्स मंच जैसी गैर-पारंपरिक इकाइयों के साथ सहयोग कर हम अपनी पहुंच को काफी हद तक बढ़ा सकते हैं।'' मोहंती ने कहा, ''इन इकाइयों की दूरदराज और बैंक सुविधा से वंचित लोगों तक अच्छी पहुंच है। उनके साथ भागीदार कर हम सभी के लिए सस्ता और सुलभ बीमा कवर सुनिश्चित कर सकते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी ग्रामीण और निम्न-आय वाले समूहों तक पहुंचने मददगार हैं।

यमुना में जहरीले झाग के मुद्दे पर जवाबदेही तय हो : उप राज्यपाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को यमुना में जहरीले झाग की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि बहाना बनाने और मीडिया पर आरोप मढ़ने के बजाय अधिकारियों को शहरवासियों को राहत पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सक्सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में जवाबदेही तय किए जाने की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई को दबाया नहीं जा सकता है। उन्होंने आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कहा, कौन जिम्मेदार है? सच्चाई की एक बहुत बुरी आदत है, इसे दबाया नहीं जा सकता है।'' उन्होंने नदी में झाग और कूड़े की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, मीडिया या सोशल मीडिया मंच पर आरोप-प्रत्यारोप और बहानेबाजी करने से बेहतर होगा कि दिल्ली के लोगों, खासकर छठ पूजा करने वालों और व्रत करने वालों को इस बिगड़ती स्थिति से राहत दिलाई जाए। उन्होंने

तेलंगाना: अतिरिक्त जिलाधिकारी पर मुकदमा दर्ज, पांच करोड़ रुपए की संपत्ति मिली

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को कहा कि उसने अतिरिक्त जिलाधिकारी (भूमि राजस्व) के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में रंगा रेड्डी जिले में आवास और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर तलाशी के बाद पांच करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का पता लगाया है।

एसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एमवी भूपाल रेड्डी के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

म्यूचुअल फंड के लिए भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से होगा लागू

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने कहा कि म्यूचुअल फंड के लिए भेदिया कारोबार नियम एक नवंबर से लागू होगा। इसके तहत, संपत्ति प्रबंधन कंपनी के म्यूचुअल फंड में नामित व्यक्तियों, न्यासियों या उनके करीबी रिश्तेदारों द्वारा किए गए 15 लाख रुपए से अधिक के सभी लेनदेन की सूचना दो कारोबारी दिन के भीतर अनुपालन अधिकारी को देनी होगी। छूट प्राप्त योजनाओं को छोड़कर सभी योजनाओं में 15 लाख रुपए की सीमा या तो एकबारगी लेनदेन अथवा एक तिमाही के भीतर एक से अधिक लेनदेन में हो सकती है। सेबी ने एक परिपत्र में कहा कि नया नियम एक नवंबर से लागू होगा। नियामक ने संपत्ति प्रबंधन कंपनियों को एक नवंबर, 2024 से तिमाही आधार पर अपने नामित व्यक्तियों, न्यासियों और उनके करीबी रिश्तेदारों के सकल रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश के बारे में तिमाही आधार पर जानकारी देने को कहा है। सेबी के अनुसार, म्यूचुअल फंड में 31 अक्टूबर तक के निवेश के बारे में शेयर बाजारों को 15 नवंबर तक जानकारी देनी होगी। इसके बाद की तिमाहियों के लिए कंपनियों को तिमाही समाप्त होने पर 10 दिन के भीतर जानकारी प्रदान करनी होगी।

हुंदै मोटर सूचीबद्धता के दिन बनी देश की पांचवीं सबसे मूल्यवान वाहन कंपनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) मंगलवार को शेयर बाजार में अपनी सूचीबद्धता के दिन ही बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) के हिसाब से देश की पांचवीं सबसे मूल्यवान वाहन कंपनी बन गई है। दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता की भारतीय इकाई एचएमआईएल का शेयर बीएसई पर 1,960 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,931 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ।

कंपनी का शेयर कारोबार के दौरान 7.80 प्रतिशत गिरकर 1,807.05 रुपए पर आ गया और अंत में यह 7.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,820.40 रुपए पर बंद हुआ।

इसके साथ ही हुंदै मोटर इंडिया का बाजार मूल्यांकन 1,47,914.98 करोड़ रुपए हो गया।

एनएसई पर कंपनी का शेयर 7.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,819.60 रुपए के भाव पर बंद हुआ।

मारुति सुजुकी इंडिया 3,74,796.16 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ देश की सबसे मूल्यवान वाहन कंपनी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा 3,58,583.97 करोड़ रुपए के मूल्यांकन के साथ दूसरे स्थान पर है। उसके बाद टाटा मोटर्स (3,23,669.61 करोड़ रुपए), बजाज ऑटो (2,89,274.58 करोड़ रुपए) और हुंदै मोटर इंडिया (1,47,914.98 करोड़ रुपए) का स्थान है।

हुंदै मोटर इंडिया देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आई थी लेकिन बाजार से उतनी सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। करीब 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए 1,865-1,960 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड में संपत्ति खंड की प्रमुख शिवानी न्याती ने कहा, ''निर्गम से कम भाव पर सूचीबद्ध होने के बावजूद इस कंपनी के मजबूत बुनियादी पहलू इसकी दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को समर्थन देना जारी रखेंगे।''

समझौते पर पहुंचना आसान नहीं होता : नौसेना उप-प्रमुख ने भारत-चीन के बीच सीमा वार्ता पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने मंगलवार को कहा कि नौसेना बल यह जानकर खुश है कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के समझौते पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के संबंध में किसी भी तरह के समझौते पर पहुंचना ''आसान नहीं'' होता है। स्वामीनाथन ने यह बात नौसेना के प्रमुख सेमिनार 'स्वावलंबन' के तीसरे संस्करण से पहले कोटा हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कही।

भारत ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त से जुड़े एक समझौते पर सहमत हुए हैं। वाइस एडमिरल स्वामीनाथन ने

कहा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर किसी भी तरह के समझौते पर पहुंचना आसान नहीं होता है। यह आसान नहीं है, क्योंकि इसमें विचार होते हैं, धारणाएं होती हैं, भावनात्मक मुद्दे होते हैं। भूमि संबंधी मुद्दे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। इसलिए, एक समय में आप राष्ट्रीय चेतना के कई तत्वों को ध्यान में रखते हैं। आप जाते हैं और बात करते हैं, सौदेबाजी करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''यदि आप किसी प्रकार के समझौते पर पहुंचे हैं, तो मुझे नहीं पता कि उसका ब्यौरा क्या है और मुझे उसे जानने की आवश्यकता भी नहीं है। लेकिन, मैं जानता हूं कि किसी प्रकार का समझौता हो गया है और हम सभी इससे खुश हैं।''

चक्रवात के चलते कई ट्रेनें हुई रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्वी तट रेलवे ने चक्रवात 'दाना' के कारण सुरक्षा उपाय के रूप में निम्नलिखित रेल सेवाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की गई है।

ट्रेन संख्या 12552 कामाख्या – एसएमवीटी बेंगलूरु एसी एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 13.50 बजे कामाख्या से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22603 खड़गपुर–विल्लुपुरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को 14.05 बजे खड़गपुर से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। टेन संख्या 22851 संतरागाछी–मंगलूरु विवेक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को संतरागाछी से 14.50 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12841 शालीमार – डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को 15.20 बजे हावड़ा से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12663 हावड़ा–तिरुचिरापल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को 17.40 बजे तिरुचिरापल्ली से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 12863 हावड़ा–एसएमवीटी बेंगलूरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस (वाया कटपडी, जोलारपेटई) जो 24 अक्टूबर को 22.50 बजे हावड़ा से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12839 हावड़ा–डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल मेल, जो 24 अक्टूबर को 23.55 बजे हावड़ा से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22644 पटना–एर्नाकुलम सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को पटना से 14.00 बजे रवाना होने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 06090 संतरागाछी–डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्पेशल, जो 24 अक्टूबर को 23.40 बजे संतरागाछी से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22504 डिब्रूगढ़–कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 19.55 बजे डिब्रूगढ़ से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 12840 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–हावड़ा सुपरफास्ट मेल, जो 23 अक्टूबर को 19.00 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12868 पुडुचेरी–हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 14.15 बजे पुडुचेरी से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22826 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–शालीमार सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 19.50 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12897 पुडुचेरी–भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 18.50 बजे पुडुचेरी से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। 23 अक्टूबर को 23.40 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से निकलने वाली ट्रेन नंबर 12509 एसएमवीटी बेंगलूरु–गुवाहाटी एक्सप्रेस (जोलारपेट्टई, काटपाडी, अराकोणम, पेरंबूर के माध्यम से) पूरी तरह से रद्द कर दी गई है।

ट्रेन संख्या 12842 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–हावड़ा कोरोमंडल एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से सुबह 07.00 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22808 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–संतरागाछी एसी एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 08.10 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 15227 एसएमवीटी बेंगलूरु–मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को एसएमवीटी बेंगलूरु से 00.30 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 06095 ताम्बरम–संतरागाछी स्पेशल, जो 24 अक्टूबर को 13.00 बजे ताम्बरम से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12246 एसएमवीटी बेंगलूरु – हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को 11.20 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 22888 एसएमवीटी बेंगलूरु – हावड़ा हमसफर एक्सप्रेस (कटपाडी के माध्यम से) जो 23 अक्टूबर को 10.15 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 12864 यशवंतपुर–हावड़ा एक्सप्रेस (वाया जोलारपेट्टई, काटपाडी) जो 23 अक्टूबर को यशवंतपुर से 10.35 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 06087 तिरुनेलवेली–शालीमार एक्सप्रेस, जो 24 अक्टूबर को तिरुनेलवेली से 01.50 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22684 एसएमवीटी बेंगलूरु – हावड़ा एसी एक्सप्रेस (कटपाडी के माध्यम से) जो 23 अक्टूबर को 11.20 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 06089 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–संतरागाछी स्पेशल, जो 23 अक्टूबर को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 13.30 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22852 मंगलूरु सेंट्रल–संतरागाछी विवेक सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 26 अक्टूबर को 23.00 बजे मंगलूरु सेंट्रल से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। ट्रेन संख्या 22503 कन्याकुमारी–डिब्रूगढ़ विवेक एक्सप्रेस, जो 23 अक्टूबर को 17.25 बजे कन्याकुमारी से निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है। कृपया किसी भी अन्य अपडेट के लिए एनटीईएस/आईआरसीटीसी या अन्य आधिकारिक रेलवे वेबसाइट/ऐप्स देखें।

चक्रवात के चलते भुवनेश्वर-रामेश्वर ट्रेन रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्वी तटीय रेलवे ने चक्रवात 'दाना' के कारण सुरक्षा उपाय के रूप में निम्नलिखित रेल सेवाओं को रद्द करने की अधिसूचना जारी की गई है जिसमें ट्रेन संख्या 20896 भुवनेश्वर–रामेश्वरम सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो दिनांक 25 अक्टूबर को भुवनेश्वर से 12.10 बजे रवाना होने वाली है, पूर्णतः रद्द है।

वहीं वापसी में ट्रेन संख्या 20895 रामेश्वरम–भुवनेश्वर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जो 27 अक्टूबर को रामेश्वरम से 08.40 बजे निकलने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

बीआईएस ने वेल्लोर में मानक महोत्सव का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में कार्यरत एक वैधानिक निकाय है। यह उद्योग के लाभ के लिए उत्पाद प्रमाणन (आईएसआई मार्क), प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन, सोने और चांदी के आभूषणों/कलाकृतियों की हॉल मार्किंग और प्रयोगशाला सेवाओं जैसी विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है और बदले में उपभोक्ता संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करता है।

मंगलवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) चेन्नई शाखा कार्यालय ने वेल्लोर में एक होटल में डब्ल्यूएसडी2024 कार्यक्रम मानक महोत्सव का आयोजन किया। उद्योग विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी और बीआईएस के हितधारक विश्व मानक दिवस मनाने के लिए आयोजित समारोह में शामिल हुए।

वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक अरुण पुच्चाकायाला ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हर साल 14 अक्टूबर को आईएसओ, आईईसी और आईटीयू के सदस्य विश्व मानक दिवस मनाने के लिए एक साथ आते हैं, जो दुनिया भर के हजारों विशेषज्ञों के सहयोगात्मक प्रयासों को श्रद्धांजलि देने का एक साधन है, जो स्वैच्छिक तकनीकी समझौतों को विकसित करते हैं जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक जीवानंदम डी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। विश्व मानक दिवस की थीम को रेखांकित करते हुए, जो कि एक बेहतर दुनिया के लिए एक साझा दृष्टिकोण: सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए मानक है, उन्होंने मानकीकरण के महत्व पर बात की। उन्होंने दर्शकों को विभिन्न सतत विकास लक्ष्यों के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि मानक एसडीजी को प्राप्त करने में कैसे योगदान दे रहे हैं।

बीआईएस चेन्नई शाखा कार्यालय के वैज्ञानिक डी/संयुक्त निदेशक श्री दिनेश राजगोपालन ने विश्व मानक दिवस संदेश पढ़ा।

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वेल्लोर की कुलपति डॉ. कंचना भास्करन वी.एस. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान, डॉ. कंचना भास्करन ने विश्व मानक दिवस के उपलक्ष्य में बीआईएस के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि मानक वैश्विक सद्भाव के लिए वैश्विक भाषा हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि मानक अब विदेशी विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि वे रोजमर्रा की जिंदगी में अंतर्निहित हैं और अपरिहार्य हैं। उन्होंने बीआईएस मानक क्लब पहल और छात्रों के जीवन में मानकीकरण को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर भी बात की। उन्होंने उद्योग 4.0 और वैश्विक स्तर पर भविष्य की तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए समापन किया। गणमान्य व्यक्तियों एवं श्रोतागण की उपस्थिति में गुणवत्ता शपथ ली गई। इसके बाद एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बीआईएस कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग देने वाले लगभग 11 चयनित कार्मिकों को मानक वीर के रूप में बीआईएस स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

भाजपा प्रत्याशी हरिदास ने जनप्रतिनिधि के रूप में खुद को प्रियंका से अधिक अनुभवी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। लोकसभा की वायनाड सीट के लिए 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के त्रिकोणीय मुकाबले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी नव्या हरिदास अपने सियासी अनुभव के बूते कांग्रेस प्रत्याशी प्रियंका गांधी वाद्रा को चुनौती देंगी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका पहली बार चुनाव मैदान में उतर रही हैं। सिंगापुर और नीदरलैंड में काम करके अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल कर चुकीं हरिदास एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जो एक दशक तक कोझिकोड में एक पार्षद के रूप में भी काम कर चुकी हैं।

हरिदास को भरोसा है कि उनकी पृष्ठभूमि उन्हें वाद्रा को चुनौती देने में सक्षम बनाती है, जो अपने भाई राहुल गांधी द्वारा खाली किए गए इस पहाड़ी लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस की जीत का सिलसिला जारी रखने की इच्छुक हैं। हरिदास ने मंगलवार को पीटीआई–भाषा' को दिये गए साक्षात्कार में कहा कि वाद्रा भले की कांग्रेस की एक पदाधिकारी हैं, लेकिन एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनके पास अनुभव की कमी है।

हरिदास ने कहा, ''नेहरू परिवार की पृष्ठभूमि के कारण प्रियंका गांधी एक राष्ट्रीय हस्ती हैं, लेकिन यह उनका पहला चुनाव है। दूसरी ओर मैंने लगातार दो बार कोझिकोड नगर निगम में पार्षद के रूप में काम किया है और 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा है।'' कांग्रेस नेता के वायनाड में प्रवेश से एक दिन पहले भाजपा उम्मीदवार ने कहा, में कई वर्षों से लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं, इसलिए प्रियंका गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ना मेरे लिए कोई अलग चीज नहीं है। मेरा मानना है कि मेरे पास उनसे कहीं अधिक अनुभव है।'' प्रियंका वायनाड के कलपेट्टा में रोड शो करके वोट मांगने जा रही हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अपनी जीत के बाद राहुल गांधी द्वारा वायनाड लोकसभा सीट को छोड़ने के कारण इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए उपचुनाव आवश्यक हो गया है। प्रख्यात भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) नेता और पूर्व विधायक सत्यन मोकेरी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

हरिदास ने कहा, ''लड़ाई केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। देखिए, कांग्रेस की गैरजिम्मेदारी के कारण यह चुनाव जरूरी हो गया। वायनाड के कई हिस्सों में आप अब भी 'फ्लेक्स बोर्ड' देखेंगे जिसमें राहुल गांधी के लिए वोट मांगा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने रायबरेली सीट को अपने पास बनाए रखने का विकल्प चुना और वायनाड सीट अपनी बहन को सौंप दी। यह परिवार के प्रभुत्व का एक उदाहरण है और वह भाजपा मतदाताओं के सामने इस मुद्दे को उजागर करेगी।''

नव्या हरिदास भाजपा की प्रदेश इकाई की महिला शाखा (महिला मोर्चा) की राज्य महासचिव हैं। हरिदास का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकास का एजेंडा वायनाड में पार्टी के पक्ष में काम करेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले भाजपा ने वायनाड में अपनी वोट हिस्सेदारी 5.75 प्रतिशत तक बढ़ायी जब उसके प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने राहुल गांधी को टक्कर दी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार ने वर्ष 2024 में 1,41,045 वोट हासिल किए, जो 2019 के 78,816 वोट से अधिक हैं। वर्ष 2019 में इस सीट पर राजग के सहयोगी दल बीडीजेएस ने चुनाव लड़ा था। इस बीच, राहुल गांधी की जीत का अंतर वर्ष 2019 के 4,31,770 वोट से घटकर 3,64,422 रह गया। इंजीनियरिंग में स्नातक हरिदास ने राजनीति में लगभग संयोग से प्रवेश किया।

बी.टेक की डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने एक सॉफ्टवेयर पेशेवर के रूप में काम किया। वर्ष 2009 में उन्होंने समुद्री इंजीनियर शोबिन श्याम से शादी की और सिंगापुर चली गईं, जहां उन्होंने चार साल तक काम किया। उन्होंने नीदरलैंड और अजरबैजान में भी काम किया। फिर वर्ष 2015 में छुट्टियों के दौरान कोझिकोड की यात्रा के दौरान (उन्हें उनके परिवार के आरएसएस से जुड़ाव के कारण) अप्रत्याशित रूप से केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में एक उम्मीदवार के रूप में नामांकित किया गया था।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु और पुदुचेरी के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुनील माथुर ने 21 अक्टूबर को आयकर कार्यालय त्रिची में डॉ. डी. सुधाकर राव, मुख्य आयकर आयुक्त, त्रिची की उपस्थिति में अनीचम नामक एक क्रेच का उद्घाटन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक कल्याणकारी उपाय के रूप में, एक क्रेच सुविधा के बारे में सोचा गया था, ताकि कार्यालय में काम करने वाले माता–पिता व्यक्तिगत और आधिकारिक दोनों जिम्मेदारियों को कुशलता से संभाल सकें। इस तरह के नेक विचार के साथ, आयकर भवन के परिसर के अंदर खेल के मैदान के साथ क्रेच सुविधा की स्थापना की गई है।

मानहानि मामला : उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक और अभिनेता एम. मुकेश को मध्य केरल के त्रिशूर जिले में 2010 के एक यौन उत्पीड़न मामले के संबंध में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोमवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। उनके वकील ने पुष्टि की कि विधायक को गिरफ्तार किया गया, उनकी चिकित्सा और पौरुष जांच करायी गयी तथा फिर उन्हें रिहा कर दिया गया। एक सत्र अदालत ने 24 सितंबर को उन्हें मामले में अग्रिम जमानत दे दी थी। मुकेश के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं। एक मामला वडक्कनचेरी पुलिस और दूसरा मरदु पुलिस ने दर्ज किया है तथा दोनों ही मामलों में उन्हें अग्रिम जमानत मिल गयी है।

पुलिस के अनुसार, वडक्कनचेरी मामले में शिकायतकर्ता वही अभिनेत्री है, जिसकी शिकायत पर मरदु पुलिस थाने में मुकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मुकेश ने दावा किया है कि शिकायतकर्ता के ब्लैकमेल करने के प्रयास नाकाम होने पर ये आरोप लगाए गए हैं। न्यायमूर्ति के. हेमा समिति की रिपोर्ट में हुए खुलासों के बाद विभिन्न फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए। इसके बाद मलयालम सिनेमा की कई जानी–मानी हस्तियों के खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं। केरल सरकार ने 2017 में एक अभिनेत्री पर हमले के मामले के बाद यह समिति गठित की थी। इसकी रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं का जिक्र किया गया है। कई अभिनेताओं और फिल्म निर्देशकों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद राज्य सरकार ने इन दावों की जांच के लिए 25 अगस्त को सात सदस्यीय एसआईटी के गठन की घोषणा की थी।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी ने गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने शाह को भेजे अपने संदेश में कहा कि उन्हें पुडुचेरी के लोगों और अपनी ओर से आपके जन्मदिन के अवसर पर आपको हार्दिक बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए बहुत खुशी हो रही है।

रंगासामी ने यह भी कहा कि वह कामना करते हैं कि ईश्वर आपको हमेशा स्वस्थ रखे और राष्ट्र की सेवा करने की शक्ति प्रदान करे।

वायनाड के लिए प्रियंका से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता : राहुल

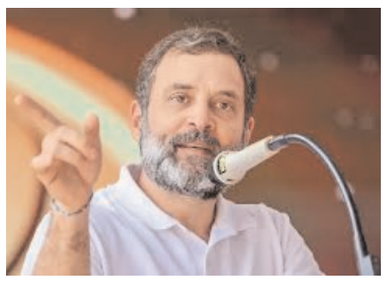

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि वह इस क्षेत्र के लिए अपनी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकते। प्रियंका गांधी वाद्रा बुधवार (23 अक्टूबर) को वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगी और इस मौके पर पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्ट किया, वायनाड के लोग मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं और मैं उनके लिए अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की एक धुर समर्थक और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी।

उन्होंने कहा, ''कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आइए मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रेम से वायनाड का प्रतिनिधित्व होता रहे।'' वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं। उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

लोकसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद, जून में कांग्रेस ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली संसदीय क्षेत्र रखेंगे और केरल की वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनावी पारी की शुरुआत करेंगी। निर्वाचित होने पर प्रियंका गांधी पहली बार सांसद बनेंगी तथा यह भी पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य – सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका एक साथ संसद में होंगे। वायनाड संसदीय सीट और 47 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को झारखंड विधानसभा के पहले चरण के मतदान के साथ होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

स्टालिन ने सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं माफी नहीं मांगूंगा

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पिछले साल 'सनातन धर्म को खत्म करने' संबंधी अपनी टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह अपनी टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगेंगे। डिंडीगुल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा कि एक समय महिलाओं को अपने घर से बाहर निकलने और स्कूल जाने का भी अधिकार नहीं था। उन्होंने कहा कि सुधारवादी नेता 'पेरियार' ईवी रामासामी ने ऐसी सभी भेदभावपूर्ण प्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाई। उदयनिधि ने कहा कि वह पेरियार, द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुराई और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के दिवंगत संरक्षक एम करुणानिधि के नक्शेकदम पर चलते हैं और केवल वही कहते हैं, जो ऐसे नेताओं ने अतीत में कहा था।

उदयनिधि 21 अक्टूबर राधा देवी के साथ अंडीचामी (द्रमुक नेता नाथम एम ए एंडी अम्बलम के बेटे, पूर्व विधायक) के स्वाभिमान विवाह में शामिल होने के लिए डिंडीगुल पहुंचे थे। सनातन धर्म के संबंध में अपनी टिप्पणी का सीधे तौर पर जिक्र करते हुए उदयनिधि ने कहा, मेरे खिलाफ न केवल तमिलनाडु में, बल्कि भारत की कई अदालतों में मामले दायर किये गये हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनके बयान को तोड़–मरोड़कर' पेश किया गया और अदालतों में उनके खिलाफ याचिकाएं दायर कर ऐसी बातें कहने का आरोप लगाया गया, जो उन्होंने कही ही नहीं थीं।

प्रियंका गांधी के रोडशो में झंडों के उपयोग पर कोई रोक नहीं

वायनाड/भाषा। कांग्रेस ने फैसला किया है कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा जब 23 अक्टूबर को वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करने के समय रोडशो करेंगी तो उस दौरान पार्टी अथवा सहयोगी दलों के झंडों के इस्तेमाल पर कोई पाबंदी नहीं होगी। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस साल की शुरुआत में वायनाड में लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी के रोड शो के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के झंडे नहीं दिखे थे, जिसके बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आरोप लगाया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी इस बात से डर गई है कि भाजपा क्या कहेगी।

वायनाड जिले में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान कांग्रेस की सहयोगी आईयूएमएल के हरे झंडों की संख्या पार्टी के झंडों से अधिक थी और इसको लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने टिप्पणी की थी कि यह समझना मुश्किल था कि रोड शो भारत में था या पाकिस्तान में। इस साल अप्रैल में झंडों की अनुपस्थिति में भाजपा ने कहा था कि कांग्रेस अपने सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को लेकर शर्मिंदा है। कांग्रेस के एक सूत्र ने पीटीआई–भाषा' को बताया कि प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने से पहले बुधवार को होने वाले रोड शो में झंडों के इस्तेमाल पर कोई प्रतिबंध नहीं है। सूत्रों ने बताया कि लगभग दो किलोमीटर लंबा रोड शो सुबह 11 बजे यहां कलपेट्टा में नए बस स्टैंड से शुरू होगा। प्रियंका गांधी बुधवार को वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगी और इस मौके पर पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि वह इस क्षेत्र के लिए अपनी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकते।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक ज्ञापन समझौते (एमओयू) पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी की उपस्थिति में ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने बताया कि यह निवेश राज्य के पश्चिमी जिलों में 60 गीगावाट क्षमता की सौर उर्जा, वायु एवं हाइब्रिड परियोजना की स्थापना के लिए किया जाएगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, यूएई के निवेश मंत्री सुवैदी और राजस्थान में उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस मौके पर कहा कि केन्द्र सरकार ने देश में 500 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान को 250 गीगावाट के सौर संयंत्र लगाने होंगे। शर्मा ने कहा कि यूएई के साथ यह साझेदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी और यह परियोजना ऊर्जा उत्पादन में वांछित बदलाव लेकर आएगी।शर्मा ने कहा कि अनुकूल निवेश नीतियों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की पसंद बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है और अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 2.24 लाख करोड़ रुपये के समझौते किए हैं।

शर्मा ने कहा कि लगभग 10 महीने के कार्यकाल में 32 हजार मेगावाट के संयंत्र लगाने के एमओयू हस्ताक्षर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यूएई के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है। यूएई, भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है जबकि भारत से होने वाले निर्यात में यूएई दूसरे पायदान पर है। यूएई के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी ने कहा कि नवीकरणीय संसाधनों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना मौजूदा समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की ओर इस बदलाव में यूएई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने नौ से 11 दिसम्बर तक जयपुर में होने वाले 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024' में सुवैदी को आमंत्रित किया।

पावर ग्रिड को राजस्थान में दो पारेषण परियोजनाएं मिलीं

नयी दिल्ली/जयपुर। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन (पीजीसीआईएल) ने राजस्थान में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़ी दो पारेषण परियोजनाओं का ठेका हासिल किया है। कंपनी ने बोली के जरिये ये परियोजनाएं हासिल कीं। पीजीसीआईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, वह राजस्थान आरईजेड चरण-चार (बीकानेर कॉम्प्लेक्स) भाग ए व बी से बिजली पारेषण के लिए निर्माण, स्वामित्व, संचालन तथा हस्तांतरण (बीओओटी) के आधार पर अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली स्थापित करेगी। पावर ग्रिड को दोनों परियोजनाओं के लिए आशय पत्र (एलओआई) 21 अक्टूबर, 2024 को मिला। परियोजनाओं में सब-स्टेशन की स्थापना, राजस्थान, हरियाणा तथा पंजाब में विभिन्न पारेषण 'लाइन' बिछाना शामिल है।

विधान सभा अध्यक्ष से राज्य लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों का आव्हान किया है कि वे ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करके राज्य सेवाओं की प्रतिष्ठा बढ़ाये। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता और संतुष्टि का आधार भी ईमानदारी और निष्ठा से कार्य निर्वहन ही है। देवनानी मंगलवार को विधान सभा में राज्य लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। विधान सभा अध्यक्ष ने प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी का परिचय लिया। देवनानी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य सेवा में चयन होने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का पवित्र स्थल है। सदन में चर्चा होने के पश्चात ही बजट पारित होता है। उन्होंने कहा कि विधान सभा नियमों, विनियमों और श्रेष्ठ परम्पराओं से चलती है। देवनानी ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है।

विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा और वितीय सलाहकार अपूर्व जोशी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को राजस्थान विधान सभा के कार्य संचालन एवं नियमों के बारे में जानकारी दी।

हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान में गत 9 सितम्बर से प्रशिक्षण ले रहे राज्य लेखा सेवा में नव चयनित 32 अधिकारियों के दल ने राजस्थान विधान सभा के राजनीतिक आख्यान संग्रहालय, पुस्तकालय सहित विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर संस्थान के अतिरिक्त निदेशक (लेखा) कोमल आगरी, उप निदेशक सुरभी सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रियंका व्यास, सहायक निदेशक धर्मेन्द्र गुप्ता और सरिता बत्रा भी मौजूद थे।

रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघों की शानदार साइटिंग, शावकों की अठखेलियां देख सैलानी हुए रोमांचित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर नेशनल पार्क स्वछंद विचरण करने वाले बाघों की अठखेलियों को लेकर विश्व पटल पर प्रसिद्ध हैं। इसी के चलते यहां हमेशा देशी-विदेशी सैलानियों का जमावड़ा लगा रहता है। रणथंभौर आने वाले सैलानियों को यहां बाघों की शानदार अठखेलियां देखने को मिलती हैं। प्रदेश सहित रणथंभौर में भी अब गुलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। इसी गुलाबी ठंड के दौरान शनिवार रणथंभौर नेशनल पार्क भ्रमण पर गये पर्यटकों को बाघों की शानदार साइटिंग हुई। रणथंभौर के जोन नम्बर तीन में बाघिन रिद्धि अपने तीन शावकों के साथ गुलाबी ठंड में धूप सेकते और आराम करते नजर आई। बाघिन रिद्धि के साथ उसके तीनों शावकों को यूं धूप में आराम फरमाते देख सैलानी गदगद हो गए और उन्होंने ये नजारा अपने कैमरों में कैद कर लिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। बाघिन एवं शावकों को देख सैलानी खासा रोमांचित हो उठे।

सैलानियों ने बाघिन एवं शावकों की काफी देर तक अठखेलियां देखी और इस खूबसूरत नजारे का जमकर लुफ्त उठाया। रणथंभौर नेशनल पार्क भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों को यहां बाघ बाघिन के साथ ही शावकों की अठखेलियां भी खूब देखने की मिल रही हैं, यही वजह है कि वर्ष भर रणथंभौर में सैलानियों का तांता लगा रहता है।

राज्यवर्धन राठौड़ ने जनता से विकास के संबंध में विस्तार से चर्चा की

जयपुर। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा के लोकप्रिय विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को जनता-जनार्दन और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और कुशलक्षेम जाना। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जनसंवाद कर सम्मानित जनता की समस्याएं सुनीं और यथोचित समाधान हेतु आश्वस्त किया। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जनता से झोटवाड़ा विधानसभा के विकास के संबंध में विस्तार से चर्चा की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा है। जन-जन के विकास से ही झोटवाड़ा व प्रदेश का विकास संभव है। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए संकल्पित है। जन संवाद में क्षेत्रवासी झोटवाड़ा में जारी विकास कार्यों से संतुष्ट नजर आए एवं उन्होंने कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार जताया है। कर्नल राठौड़ ने कहा, झोटवाड़ा और राजस्थान की जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर हासिल करेंगे नेट जीरो का लक्ष्य : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर वर्ष-2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन (नेट जीरो) के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी का परिणाम है कि हमारे देश की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 200 गीगावाट से अधिक हो गई है और राजस्थान 29.85 गीगावाट स्थापित क्षमता के साथ इसमें सर्वाधिक योगदान दे रहा है। नागर मंगलवार को जयपुर के होटल हयात में साउथ एशियन क्लीन एनर्जी फोरम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कॉटलैंड में वर्ष-2021 में आयोजित यूनाइटेड नेशंस क्लाइमेट चेंज सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने के लिए पांच सूत्री पंचामृत एजेंडा प्रस्तुत किया था। इसके माध्यम से उन्होंने साल 2030 तक भारत की ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरा करने तथा कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

नागर ने कहा कि क्लाइमेट चेंज से उत्पन्न चुनौतियों का मजबूती से मुकाबला करने तथा अक्षय ऊर्जा तक आमजन की पहुंच सुनिश्चित करने के सामूहिक प्रयास जरूरी हैं और राजस्थान इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि साउथ एशिया क्लीन एनर्जी फोरम के माध्यम से नीति निर्माता, स्टेक होल्डर्स, डवलपमेंट पार्टनर्स तथा विशेषज्ञ एक ही मंच पर आकर ऊर्जा के क्षेत्र में भविष्य की नीतियों को आकार देंगे। उन्होंने नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, बांग्लादेश आदि के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने के लिए भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पहले भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि विश्व की करीब एक-चौथाई जनसंख्या तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में 28 प्रतिशत भागीदारी रखने वाले इस उप महाद्वीप में क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देना समय की मांग है।

उन्होंने क्लाइमेट चेंज के कारण पर्यावरण पर बढ़ते खतरों की ओर ध्यान आकृष्ट किया। गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका तेजी से बढ़ते उप महाद्वीप के देशों में अक्षय ऊर्जा रूपान्तरण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह फोरम इसी दिशा में एक प्रभावी पहल है।

अमेरिकी राजदूत ने इस अवसर पर दक्षिण एशियाई रीजन में क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए तीन नए कार्यक्रमों-शहरों के पर्यावरण अनुकूल विकास पर अमेरिका-दक्षिण एशिया मेयरल प्लेटफॉर्म, इंडो-अमेरिकी लो कार्बन कम्फर्ट एंड कूलिंग कलेक्टिव तथा क्लीन एनर्जी इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन प्लेटफॉर्म की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि कूलिंग कलेक्टिव प्रोग्राम के माध्यम से वर्ष 2030 तक सुपर एफिशिएंट कूलिंग तकनीक के लिए एक बिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य है। फोरम को मालदीव सरकार की ट्रांसपोर्ट एंड सिविल एविएशन सचिव मरियम शहाना, भूटान सरकार के एनर्जी एंड नेचुरल रिसोर्सेज सचिव दाशो करमा शेरिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड ट्रांसपोर्ट सचिव दाशो फुंशो टोबगे, नेपाल सरकार में एनर्जी, वाटर रिसोर्सेज एंड इरीगेशन सचिव सुरेश आचार्य, श्रीलंका सरकार में पावर एंड एनर्जी के अतिरिक्त सचिव एके एन विक्रमसिंघे, मध्यप्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।

हमारी पार्टी में सभी एकजुट हैं : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी को बगावत का सामना करना पड़ रहा। यहीं वजह है कि बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को नाराज नेताओं का मनाने के लिए आगे आना पड़ा है। दूसरी तरफ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कहीं कोई नाराजगी नहीं है, सभी एकजुट हैं और सातों सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। राठौड़ ने इसके साथ कांग्रेस के आरोपों पर भी पलटवार किया।

बागियों से मान-मनौव्वल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि हमारी पार्टी में कहीं कोई बगावत नहीं है। सभी एकजुट हैं और संगठित होकर चुनाव लड़ेंगे। जब टिकट नहीं मिलता है तो थोड़ी बहुत निराशा और नाराजगी होती है, लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करने की बात सामने आती है तो सब एकजुट हो जाते हैं। इसलिए मैं सोच समझकर पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि हमारी पार्टी में कहीं पर भी किसी भी सीट पर कोई बगावत नहीं है। सभी सातों सीटों पर हम मजबूत हैं, एकजुट हैं और तय मान कर चलिए कि हम सभी सातों सीट जीतने जा रहे हैं।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयानों से उनकी कमजोरी साफ तरीके से झलक रही है। हमारी पार्टी में 6 सीटों पर प्रत्याशी उतार दिए, सिर्फ एक सीट पर उम्मीदवार घोषित होना बाकी है, उसकी भी जल्द घोषणा जो जाएगी, लेकिन कांग्रेस तो अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा ही नहीं कर पा रही है। कांग्रेस में अंतरकलह इस कदर है कि उनके किसी भी एक सीट पर भी आपसी सहमति नहीं बन रही है। इसलिए कांग्रेस हम पर बयानबाजी करने की बजाय अपनी पार्टी को संभालें। कांग्रेस हमसे क्या सवाल कर रही है, हम तो हमारी सभी तैयारी पूरी करके बैठे हैं।

सरकार के मंत्री सत्तामद में जनता का मखौल उड़ा रहे हैं : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार के मंत्रियों के बिगड़े बोल के लगातार सिलसिले से पानी अब सिर से गुजरता जा रहा है। मंत्रियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे लोक सेवक हैं। लेकिन भाजपा सरकार के मंत्री सत्तामद में मदहोश हो गये हैं। जनता का अनादर करना और मखौल उड़ाना भजनलाल सरकार की आदत बन गयी है। लेकिन इन सभी मंत्रियों को आगामी सत्र में प्रतिपक्ष राजस्थान विधानसभा के सदन में घेरेगा और जनता की ताक़त का अहसास करायेगा।

जूली ने कहा कि अलवर में भाजपा के एक दलित पार्षद कैलाश कोली ने जब वन राज्य मंत्री संजय शर्मा से फोन पर बस्तियों में पानी के संकट की गुहार लगायी तो वन राज्य मंत्री ने उसे धरना देने के लिए कहा। साथ ही यह भी कहा कि यह ऑडियो रिकार्डिंग वायरल कर देना। राज्य की भाजपा सरकार के मंत्री सत्तामद में बेलगाम हो गये हैं। लेकिन जनता इन्हें इस उप - चुनाव में करारा सबक सिखायेगी। राज्य में पेयजल संकट पर कभी जलदाय मंत्री तो कभी वन राज्य मंत्री अनर्गल बयान देते हैं। शिक्षा मंत्री के बेतुके बयानों पर तो भाजपा विधायक सुरेश धाकड़ ने सार्वजनिक रूप से पीड़ा जाहिर की है। जब भाजपा के कुराज में सत्तारूढ़ दल के विधायक और पार्षद की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्हें मंत्री बेतुके जवाब दे रहे हैं तो जाहिर है कि आम जनता की कहीं कोई सुनवाई नहीं है। लोकतंत्र की एक गरिमा और मर्यादा होती है। लेकिन सत्तामद में चूर भाजपा सरकार के मंत्री इसे भूल गये हैं। अलवर में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। जिसके समाधान की बजाय मंत्री स्थानीय जन प्रतिनिधि को धरना देने का उपदेश दे रहे हैं।

जूली ने कहा कि इस बार प्रदेश में बहुत अच्छी बारिश हुई। लेकिन सरकार ने पेयजल के लिए कोई सुचारु प्रबंधन नहीं किया। इसलिए प्रदेश के बांध लबालब होने के बाद काफी पानी व्यर्थ बहकर चला गया। इस सरकार के पास सुचारू पेयजल प्रबंधन का कोई सोच नहीं है। सुशासन शब्द ही सरकार की कार्यप्रणाली से गायब हो गया है और यह सरकार अनर्गल बयानों की सरकार बन कर रह गयी है।

यूएसएड ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के लिए तीन पहल शुरू की

जयपुर। अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) ने दक्षिण एशिया क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा प्रगति में तेजी लाने के लिए बनाई गई तीन नयी योजनाएं मंगलवार को यहां शुरू कीं। आधिकारिक बयान के अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करना और दक्षिण एशिया में सतत आर्थिक विकास का समर्थन करना है।

बयान के मुताबिक, कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा, अमेरिका सरकार दक्षिण एशिया के अक्षय ऊर्जा रूपांतरण का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और आज मैं कई प्रमुख योजनाओं की शुरुआत को देखकर रोमांचित हूं क्योंकि वे इस प्रयास को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा, यह नयी योजनाएं परिवर्तनकारी कदमों के जरिये जलवायु संकट को दूर करने के लिए देशों के साथ साझेदारी करने की अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

वेटरिनरी कॉलेज के अस्पताल को रेफरल के रूप में काम करना चाहिए : डॉ समित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिवालय के मुख्य सभागार में मंगलवार को पशु चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता और भविष्य में सुधार की संभावनाएं विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संभागियों को संबोधित करते हुए शासन सचिव पशुपालन, गोपालन एवं डेयरी डॉ समित शर्मा ने कहा कि सभी वेटरिनरी कॉलेज को उत्कृष्टता का केंद्र बनाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। डॉ शर्मा ने कहा कि पशु चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में हम काफी काम कर रहे हैं परंतु अभी भी सुधार की संभावनाएं हैं। हमें पशु चिकित्सा शिक्षा के संस्थान को देश में अव्वल लाने के लिए प्रयास करने होंगे। ग्रेडिंग के पहले दस स्थानों में राजस्थान के पशु चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को लाने के लिए आवश्यक है कि उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग करें। उन्होंने सभी कॉलेज में विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक डिग्री देने के साथ समारोह का आयोजन करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सभी दस्तावेज डिजी लॉकर में रखें, सप्ताह के अंत में पढ़ाए गए विषयों का मूल्यांकन करें, पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी विद्यार्थियों को पूर्व में दें, कॉलेज में इनडोर ऑपरेशन करने का प्रयास करें। इन सब प्रयासों से ही आने वाले वर्षों में पशु चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता लाकर हम राज्य के पशु चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को देश में सर्वोच्च स्थान पर ला सकते हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ उमेश चंद्र शर्मा ने बतौर विशिष्ट अतिथि कहा कि हमारा काम केवल पशु चिकित्सक तैयार करना नहीं है बल्कि उनके अंदर संवेदनशीलता विकसित करना भी हमारा उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षक होना भी बहुत आवश्यक है।

आरजी कर पीड़िता के पिता ने अमित शाह को लिखा पत्र, मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी स्थित सरकारी आर.जी.कर चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में करीब दो महीने पहले दुष्कर्म और हत्या की शिकार प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के पिता ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मुलाकात का समय देने का अनुरोध किया।

पिता ने कहा कि वह इस समय ''घोर मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं और असहाय महसूस कर रहे हैं।'' उन्होंने केंद्रीय मंत्री को भेजे ई-मेल में कहा कि वह शाह से मार्गदर्शन और मदद चाहते हैं। पिता ने कहा, ''मैं अभया (काल्पनिक नाम) का पिता हूं और आपको यह पत्र इस विनम्र अनुरोध के साथ लिख रहा हूं कि आपकी सुविधा के अनुसार या आपके द्वारा सुझाए गए किसी स्थान पर मुलाकात का समय दिया जाए। हमारी बेटी के साथ घटी उस जघन्य अप्रत्याशित घटना के बाद से हम घोर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और अब असहाय महसूस कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपनी पत्नी के साथ मुलाकात कर इस मामले से जुड़े कुछ पहलुओं पर चर्चा करना चाहता हूं और आपसे मार्गदर्शन और मदद के लिए प्रार्थना करना चाहता हूं। मैं आपसे बात करने और इस मुद्दे पर आपकी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूंगा, क्योंकि मेरा मानना है कि आपका अनुभव और मार्गदर्शन अमूल्य होगा।'' पिता ने केंद्रीय गृहमंत्री से कुछ मिनट उनके लिए निकालने के लिए भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''कृपया मुझे बताएं कि आप कब और कहां हमारे लिए कुछ मिनट निकाल सकते हैं। फिर, हम खुद को तैयार रख सकते हैं। मैं आपके समय और इस अनुरोध पर विचार करने के लिए आपका आभार व्यक्त करता हूं और अनुकूल प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा हूं... मैं आपसे मिलने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा हूं।''

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा उप्र : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि सरकार के प्रयासों से राज्य 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश के 18 जिलों में ही मेडिकल कॉलेज थे लेकिन आज 64 जिलों में मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। योगी ने कहा, प्रदेश 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में आज एमबीबीएस और परास्नातक की सीटें पहले की तुलना में दोगुनी से अधिक हुई हैं। उन्होंने कहा, हमने दिमागी बुखार का समाधान करने में सफलता पायी है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इससे सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित होते थे। योगी ने एसजीपीजीआई में 1147 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिसमें 'एडवांस डायबिटीज सेंटर', 'टेली आईसीयू', सलोनी हार्ट सेंटर (प्रथम चरण) और 'एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर', सलोनी हार्ट सेंटर (द्वितीय चरण) शामिल है।

मुख्यमंत्री ने 'कॉलेज आफ मेडिकल टेक्नोलॉजी' के छात्रावास का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई देश और प्रदेश का सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान है।

योगी ने कहा कि ऐसे में प्रदेश के पूर्वी, पश्चिमी, मध्य, बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र के गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति की प्राथमिकता होती है कि उसे यहां बेड प्राप्त हो जाए लेकिन इसको लेकर काफी समस्या अक्सर सामने आती है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को दूर करने के लिए प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है।

उपराज्यपाल कार्यालय लोगों की अपेक्षाएं पूरी करने वाली सरकार को पूर्ण सहयोग देगा : मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि लोगों की अपेक्षाएं पूरी करने के लिए कदम उठाने वाली सरकार को उनके कार्यालय का पूर्ण समर्थन मिलेगा। सिन्हा ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित सीट की संख्या पर पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट पेश करते ही, मौसम के अनुकूल रहने तथा आवश्यक सुरक्षा बल उपलब्ध होने की स्थिति में केंद्र शासित प्रदेश में जल्द स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे।

सोमवार की शाम को पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में सिन्हा ने कहा, ''मैं आश्वासन देता हूं कि जो सरकार लोगों की अपेक्षाएं पूरी करने के लिए उचित कदम उठाएगी, उसे उपराज्यपाल कार्यालय का पूर्ण सहयोग मिलेगा।'' उपराज्यपाल कार्यालय एवं मुख्यमंत्री के बीच कामकाज की व्यवस्था के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सत्ता में आने वाली कोई भी चुनी हुई सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित बनने के बाद जम्मू कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल द्वारा पांच विधायकों को नामित किए जाने के संदर्भ में कांग्रेस के विरोध जताने और इस संबंध में अदालत में एक याचिका दायर करने के बारे में पूछे जाने पर सिन्हा ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है तथा हर किसी को किसी भी बात का विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ''देश जानता है कि जब पुडुचेरी विधानसभा का गठन हुआ था तब माननीय लाल बहादुर शास्त्री गृह मंत्री थे। वह मनोनयन के जरिए सभी सीटों को भरने का प्रस्ताव लेकर आए थे। उस वक्त कुछ सांसदों ने इसका विरोध किया था और तब यह फैसला हुआ था कि 10 प्रतिशत सदस्यों को नामित किया जाएगा। इस तरह, 30 सदस्यों वाली विधानसभा में तीन सदस्य नामित किए जाएंगे।''

असम में 57 महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करना प्राथमिकता : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों की सामूहिक प्राथमिकता 57 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करना है।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में भाग लिया और उनसे राज्य में जोरहाट-डिब्रूगढ़ राजमार्ग को जल्द पूरा करने सहित प्रमुख परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में मुझे एक समीक्षा बैठक में भाग लेने का सौभाग्य मिला, जो असम में 1001 किलोमीटर राजमार्ग परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित थी। विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ हमारी सामूहिक प्राथमिकता 57 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करना है।'' उन्होंने कहा कि काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के संरेखण (अलाइनमेंट) को मंजूरी दे दी गई है और ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे गोहपुर-नुमालीगढ़ सुरंग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूरी होने वाली है। शर्मा ने कहा कि बाइहाटा चरियाली-तेजपुर राजमार्ग खंड के चार लेन के काम को पूरा करने का भी आग्रह किया गया।

भाजपा और शिवसेना के बीच बातचीत के दौरान मेरी मौजूदगी जरूरी नहीं : अजित पवार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को दावा किया कि 20 नवंबर को राज्य विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव के वास्ते मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में सीट समझौता लगभग तय हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(राकांपा) अध्यक्ष पवार ने संवाददाताओं से कहा, ''कुछ सीट पर निर्णय हो गया है जबकि बाकी बची सीट पर आज फैसला होने की उम्मीद है।''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के बीच सोमवार को मुंबई में सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक के दौरान राकांपा अध्यक्ष ने अपनी अनुपस्थिति पर कहा, ''जब भाजपा और शिवसेना के बीच कुछ सीट को लेकर फैसला करने के लिए बैठक हो तो मेरी उपस्थिति का कोई कारण नहीं हैं।''

उन्होंने कहा कि तीनों (पार्टी नेता) मौजूद थे जब चर्चा चल रही थी, महायुति गठबंधन के सभी तीन घटकों के प्रतिनिधि मौजूद थे। पवार ने कहा, ''कुछ उम्मीदवार नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए 'मुहूर्त' देखते हैं, हमारी पार्टी ने उन्हें एक और बी फार्म आवंटित किया है।'' ए और बी फॉर्म महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं, जो दर्शाते हैं कि किसी उम्मीदवार को किसी राजनीतिक दल द्वारा अनुमोदित किया गया है और उसे उस दल का चुनाव चिह्न आवंटित किया जाना चाहिए। महायुति के तीनों घटकों ने मीडिया में आई उस खबर की पुष्टि नहीं की है कि विधानसभा की 288 सीट में से भाजपा 156 पर , शिवसेना 78 पर और राकांपा 54 सीट पर चुनाव लड़ेगी।

चक्रवात के पूर्वानुमान के बाद तटरक्षक बल अत्यधिक सतर्क, जहाज व विमान तैनात किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मंगलवार को कहा कि वह बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान बनने की आशंका के मद्देनजर किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए अत्यधिक सतर्क है और उसने अपने जहाजों तथा विमानों को तैनात किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में तब्दील होने और 25 अक्टूबर की सुबह 120 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से उसके पुरी और सागर द्वीप के बीच ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पार करने की आशंका है। एक बयान में कहा गया है, ''आईसीजी ने अपने जहाजों तथा विमानों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार कर लिया है।'' इसमें कहा गया है कि आईसीजी अत्यधिक सतर्क है और उसके समर्पित कर्मी तथा संसाधन सहायता, बचाव एवं राहत उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं। इसमें कहा गया है कि तटरक्षक कर्मी समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा में स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन प्राधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

झारखंड में बनेगी राजग सरकार, हार की ओर बढ़ रहा विपक्षी गठबंधन : चिराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को भरोसा जताया कि झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' हरियाणा के बाद अगली बड़ी हार की ओर बढ़ रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)- रामविलास के प्रमुख चिराग ने यह भी कहा कि वह झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उनकी पार्टी को एक सीट की पेशकश किए जाने से 'संतुष्ट' हैं। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि इस सीट समझौते से उन्हें अपमानित महसूस होना पड़ा है।

पासवान ने कहा, बहुत से लोग हैं, जो मेरे और प्रधानमंत्री के बीच दरार डालना चाहते हैं। वे कभी सफल नहीं होंगे। मैं यह बताना देना चाहता हूं कि हमारी पार्टी न केवल खुश है बल्कि पूरी तरह से संतुष्ट है कि भाजपा ने झारखंड में भी हमें उचित सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि 24 अक्टूबर को उनकी पार्टी के उम्मीदवार जनार्दन पासवान नामांकन पत्र दाखिल करेंगे और इस दौरान वह खुद झारखंड का दौरा करेंगे। पासवान ने कहा, अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के अलावा पार्टी अपने सहयोगियों को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए रणनीति तैयार करेगी।

फिटनेस और ताकत को बेहतर करने के लिए कराटे का सहारा ले रही हैं गोल्फर दीक्षा डागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी गोल्फ खिलाड़ी दीक्षा डागर ने कहा कि वह अपने खेल के शीर्ष पर पहुंचने के लिए ताइक्वांडो और कराटे का सहारा लेकर अपनी फिटनेस और ताकत को बढ़ा रही है।

गुरुवार से यहां शुरू हो रहे हीरो वुमेंस इंडियन ओपन गोल्फ में भाग ले रही 23 साल की खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक मे अपनी स्पर्धा से पहले सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थी और इसका असर उनके खेल पर भी पड़ा था। इंडियन वुमेंस ओपन गोल्फ के पिछले आयोजन मे तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने मंगलवार को यहां कहा, ''मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं।'' अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, '' मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि पेरिस में सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक असर पड़ा था।

तेलंगाना: अतिरिक्त जिलाधिकारी पर मुकदमा दर्ज, पांच करोड़ रुपए की संपत्ति मिली

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को कहा कि उसने अतिरिक्त जिलाधिकारी (भूमि राजस्व) के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में रंगा रेड्डी जिले में आवास और उनसे जुड़े अन्य ठिकानों पर तलाशी के बाद पांच करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति का पता लगाया है। एसीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एमवी भूपाल रेड्डी के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अधिकारी और उसके करीबी रिश्तेदारों के घर के अलावा चार ठिकानों पर छापे मारे गए। बरामद चल और अचल संपत्ति की कीमत 5,05,71,676 रुपए और असंगत संपत्ति (आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति) 4,19,40,158 रुपए है। आरोपी अधिकारी को इस साल अगस्त में एसीबी ने कथित तौर पर 8 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

सर्दियों की शुरुआत से पहले जलपक्षी आवास चिल्का झील पहुंचे पक्षी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

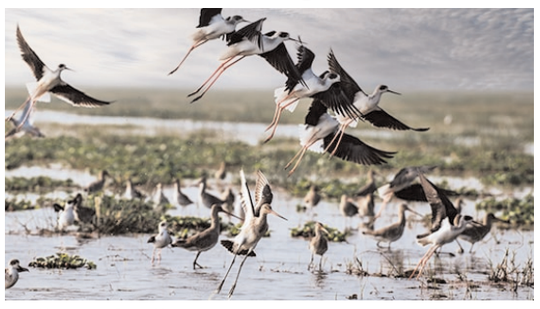

बरहामपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा में अभी सर्दी का मौसम शुरू नहीं हुआ है, लेकिन देश के सबसे बड़े जलपक्षी आवास चिल्का झील में पक्षियों का आना शुरू हो गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चिल्का वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) अमलान नायक ने मंगलवार को बताया कि प्रवासी पक्षियों ने इस महीने के पहले सप्ताह से ही झील में आना शुरू कर दिया है जो उनके आगमन का सामान्य समय है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन पक्षियों का आना जारी है। नायक ने बताया कि ''उत्तरी पिनटेल, यूरेशियन विगॉन, गैडवॉल, ब्लैक-टेल्ड गैडवॉल, उत्तरी शॉवेलर, ग्रेटर फ्लेमिंगो, कॉमन सैंडपाइपर, कॉमन कूट, मंगोलियन प्लोवर, कॉमन स्निप, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट'' सहित विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षी पहले ही झील में उतर चुके हैं। डीएफओ ने कहा कि झील में प्रवासी पक्षियों का आगमन सामान्य रूप से जारी है हालांकि वर्तमान में झील और इसके आसपास का तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। उन्होंने कहा कि सर्दियों की शुरुआत और उनके मूल स्थानों के कुछ अन्य कारणों से पक्षियों को चिल्का की ओर आने के लिए मजबूर होना पड़ा होगा। नायक ने कहा कि चिल्का के पास कई पक्षी झील में उतरे बिना आसमान में उड़ते भी देखे गए हैं। झील में पानी का स्तर कम होने पर वे उतर सकते हैं। हमें उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक उनकी संख्या बढ़ सकती है।

मदरसा संबंधी कानून पर कायम हैं : उप्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि वह मदरसा संबंधी अपने कानून पर कायम है और इलाहाबाद उच्च न्यायालय को पूरे कानून को असंवैधानिक नहीं ठहराना चाहिए था। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्र की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज से पूछा कि क्या वह कानून की वैधता पर कायम हैं, क्योंकि यह मदरसों को नियंत्रित करने का अधिकार भी प्रदान करता है। उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर नटराज के अपनी दलीलें पेश शुरू करते ही प्रधान न्यायाधीश ने उनसे पूछा, ''क्या आप कानून की वैधता पर कायम हैं?''

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 राज्य में मदरसों के संचालन को नियंत्रित करता है और इसे ऐसे संस्थानों में संवैधानिक सिद्धांतों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मार्च को इस अधिनियम को ''असंवैधानिक'' और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने वाला करार दिया था तथा राज्य सरकार से मदरसा छात्रों को औपचारिक स्कूली शिक्षा प्रणाली में शामिल करने को कहा था।

यह उसकी निजी राय है, मैं उससे सहमत नहीं हूं : साक्षी के दावों पर बोली विनेश

नई दिल्ली/भाषा। स्टार पहलवान और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने मंगलवार को साक्षी मलिक के उन दावों पर असहमति जताई कि एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट लेने के उनके और बजरंग पूनिया के फैसले से बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका प्रदर्शन कमजोर पड़ा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी ने अपनी किताब ' विटनेस' में दावा किया है कि विनेश और बजरंग के फैसले से उनका आंदोलन 'स्वार्थपूर्ण' लगने लगा ।

विनेश ने पीटीआई वीडियो से कहा ,'' यह उसकी निजी राय है । मैं इससे सहमत नहीं हूं । जब तक मैं कमजोर नहीं हूं, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती । यह मेरा मानना है । जब तक साक्षी, विनेश और बजरंग जिंदा है, यह लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती ।'' उन्होंने कहा ,''जिन्हें जीतना है , उन्हें कभी कमजोर नहीं होना चाहिए । उन्हें हमेशा मैदान पर डटकर लड़ना चाहिए । इसके लिए कठोर होना और चुनौतियों का सामना करना जरूरी है । हम लड़ाई के लिए तैयार हैं ।'' साक्षी ने किताब में बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने मंगलवार को कहा कि अगर उनकी टीम को जरूरत होगी तो वह संन्यास से वापस आकर आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ खेलने को तैयार हैं।

इस 37 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला के बाद संन्यास की घोषणा की थी।

वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में 34 और 57 रन की पारी खेली थी।

इस वामहस्त बल्लेबाज ने 'कोड स्पोर्ट्स' से कहा, ''मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूं, बस फोन उठाना बाकी है। मैं इस बारे में हमेशा गंभीर रहता हूं। ईमानदारी से कहूं तो फरवरी में मेरे आखिरी टेस्ट मैच के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले है, इसलिए मेरी तैयारी लगभग वैसी ही है।''

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना को मजबूत बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए पांच मैचों की यह शृंखला काफी अहम है। इसका आगाज 22 नवंबर से पर्थ में होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड में भाग लेकर कड़ी तैयारी कर रहे हैं। वार्नर को अपनी फिटनेस हासिल करने और चयनकर्ताओं को फिर से प्रभावित करने के लिए इस घरेलू प्रतियोगिता में कुछ मैच खेलने होंगे। उन्होंने कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो अगर उन्हें इस शृंखला के लिए वाकई मेरी जरूरत है, तो मुझे अगला शील्ड मैच खेलने को लेकर बहुत खुशी होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने सही कारणों से संन्यास लिया था। उन्हें अगर मेरी जरूरत है तो मैं तैयार हूं। मैं इससे पीछे नहीं हटने वाला हूं।'' ऑस्ट्रेलिया के सामने फिलहाल सलामी बल्लेबाजी की चुनौती है। हरफनमौला कैमरून ग्रीन के चोट के कारण शृंखला से बाहर होने के बाद अनुभवी स्टीव स्मिथ फिर से मध्यक्रम में खेलेंगे।

वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ ने नियमित सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ इस भूमिका को निभाई थी लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतना लक्ष्य था, हॉकी का हटना दुर्भाग्यपूर्ण : हरमनप्रीत सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी को हटाये जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना उनकी टीम का लक्ष्य था। भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है। लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया है।

जर्मनी के खिलाफ यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले टेस्ट मैचों से पहले प्रेस कांफ्रेंस में हरमनप्रीत से जब इस फैसले पर प्रतिक्रिया के लिए पूछा गया तो उन्होंने कहा ,'' मुझे अभी पता चला है कि यह फैसला लिया गया है । यह अच्छा टूर्नामेंट था । हमारा लक्ष्य इस बार उसमें स्वर्ण पदक जीतना था ।''भारतीय टीम 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया से 0 . 7 से हार गई थी जबकि 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में इंग्लैंड से 1 . 2 से हारकर चौथे स्थान पर रही थी । भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता जबकि महिला टीम ने 2002 में मैनचेस्टर खेलों में पीला तमगा अपने नाम किया था ।

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा ,'' लेकिन जो हमारे हाथ में नहीं है, उसके बारे में सोचने से कोई फायदा नहीं है । अभी हमें जर्मनी जैसी मजबूत टीम से खेलना है और फोकस उसी पर है ।''

वहीं कोच क्रेग फुल्टोन ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन अभी इसके प्रभाव के बारे में सोचने का समय नहीं है ।

दक्षिण अफ्रीका के इस कोच ने कहा ,'' मुझे नहीं पता कि यह आधिकारिक है या नहीं । अगर है तो दुर्भाग्यपूर्ण है ।लेकिन इसके बारे में सोचने का अभी समय नहीं है क्योंकि हमारा ध्यान अभी कल और परसों के मैच पर है ।''

सुविचार

व्यक्ति का मन ही उसको गुलाम, ज्ञानी, अज्ञानी और बुद्धिमान बनाता है। इसलिए मन को नियंत्रित कर अपना मार्ग सुगम बनाना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वचनबद्धता भी दिखाए चीन

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गतिरोध समाप्त करने संबंधी समझौता एक अच्छी पहल है। दोनों देशों, जो अपने समृद्ध मानव संसाधन, क्षेत्रफल और आर्थिक विकास को लेकर दुनिया में विशेष स्थान रखते हैं, को हर क्षेत्र में ऐसे प्रयासों को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे परस्पर विश्वास के वातावरण का निर्माण हो और सहयोग बढ़े। भारत ने तो सदैव अपने वचन का पालन किया है। अब चीन को भी वैसी वचनबद्धता दिखानी होगी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त को लेकर चीन के साथ समझौता होने की भारत की घोषणा के बाद स्पष्ट कर दिया है कि 'हम विश्वास बहाली के प्रयास कर रहे हैं।' बेशक इसे हासिल करने के लिए दोनों पक्षों को 'एक-दूसरे को आश्वस्त' करना होगा। ऐसा नहीं होना चाहिए कि विश्वास बहाली का दायित्व सिर्फ भारत उठाए। इस मामले में चीन का रिकॉर्ड बहुत ही दागदार रहा है। समझौतों को तोड़ना उसकी पुरानी आदत है, इसलिए भारत को बहुत सजग रहना होगा। जून 2020 में जब गलवान घाटी में भीषण झड़प हुई तो उसके पीछे चीन की यह मंशा थी कि इससे भारत पर दबाव बनेगा, भारतीय सैनिकों का एलएसी की ओर आना कम होगा। हालांकि चीन का वह दांव उल्टा पड़ा था। भारतीय सैनिकों ने उस भिड़ंत में पीएलए के कई जवानों को न केवल धराशायी किया, बल्कि अन्य इलाकों में भी जब आमना-सामना हुआ तो चीनी फौजियों की अच्छी-खासी 'आवभगत' की थी! ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके हैं, जिनमें भारतीय सैनिक बहुत आक्रामक अंदाज में चीनियों को ललकारते नजर आए थे। चीन ने एलएसी पर जवानों की तादाद बढ़ाई तो भारत ने भी अपने सैनिकों को लाकर तैनात कर दिया था। वहीं, बीजिंग की ओर से उकसावे की किसी भी कार्रवाई, चाहे वह नत्थी वीजे का मामला हो या अरुणाचल प्रदेश के कई स्थानों के नामकरण का मुद्दा हो, को भारत सरकार ने बहुत सूझबूझ से संभाला था।

अब चीन समझ चुका है कि भारत पर दबाव बनाने की इस रणनीति से कोई फायदा नहीं हो रहा है। उसने जिस तरह एलएसी पर अपने जवान भेजे, उसी अनुपात में उनके लिए सुविधाओं का इंतजाम करना पड़ा। कई रिपोर्टों में यह दावा किया जा चुका है कि चीनी फौजी इतनी ऊंचाई पर तैनात रहने के अभ्यस्त नहीं हैं। उन्हें सांस लेने में दिक्कत समेत कई समस्याएं सताने लगती हैं। 'एक संतान नीति' के कारण चीनी सरकार पर पहले ही काफी दबाव है। गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के हाथों पीएलए के जो फौजी ढेर हुए थे, चीन ने आज तक उनका सही आंकड़ा नहीं बताया है। उसने सिर्फ चार लोगों के मारे जाने का दावा किया था, वह भी घटना के कई महीने बाद! हालांकि कई रिपोर्टों में असल आंकड़ा इससे कम से कम 10 गुणा ज्यादा होने का दावा किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह चीन में हालात बिगड़े, लोगों में आक्रोश फैला, उससे राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर काफी दबाव है। वे चाहते हैं कि कम्युनिस्ट पार्टी और देश पर उनकी पकड़ मजबूत हो। चीन में अभी रोजगार की स्थिति अच्छी नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़े प्रतिबंधों और दावे के मुताबिक आर्थिक विकास न कर पाने से कभी भी बड़े स्तर पर जनता का आक्रोश फूटने की आशंका बनी हुई है। शी जिनपिंग भलीभांति जानते हैं कि चीनी नागरिक ऐसे माहौल में यह बिल्कुल स्वीकार नहीं करेंगे कि एलएसी पर कोई भीषण झड़प हो, जिसके बाद उनकी इकलौती संतानों के शव आएं। आम चीनी के मन में भारतविरोध की वैसी भावना भी नहीं है, जैसी पाकिस्तानियों में दिखाई देती है। चीन के साथ भारत का कोई सांस्कृतिक विवाद नहीं है। अतीत में भारत-चीन मैत्री के कई सुनहरे अध्याय रहे हैं। बाद में जो टकराव पैदा हुआ, वह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के लालच और धोखे का नतीजा था। चीन इस तथ्य से परिचित है कि अगर उसे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है तो भारत के साथ टकराव को टालना ही होगा। हमें भी इस बात को लेकर सावधान रहना होगा कि समझौते के नाम पर चीन भविष्य में धोखे का कोई नया जाल न बुन ले।

ट्वीटर टॉक

भारत के वीर सैनिकों की गाथाएँ इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हैं। सीमा के पार भारतीय सेना के इस पहले ऑपरेशन की कमान मेरे स्व पिताजी महावीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह जी के हाथों में थी।

-दीया कुमारी

अत्यंत कर्मठ एवं परिश्रमी नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमिक शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। वे भारत की आंतरिक सुरक्षा को सशक्त करने में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं। भारत और भाजपा दोनों के विकास एवं उत्थान में जिस तरह का परिश्रम वे कर रहे हैं, वह सराहनीय है।

-राजनाथ सिंह

सुबह पीसीसी में पूर्व मंत्री व विधायक अशोक चांदना जी, हरिमोहन शर्मा जी, रोहित बोहरा जी, इंदिरा मीना जी, गीता बरवड़ जी, विकास चौधरी जी, लोकसभा प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा जी, पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाक़ात हुई।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

जीवन की सच्चाई

प्रभु यीशु एक बार झील किनारे उपदेश दे रहे थे कि एक किसान बहुत सारे बीज लेकर खेत में बोने के लिए निकला। बीज कुछ रास्ते में गिर गए तो कुछ पक्षियों ने चुग लिए। कुछ पथरीली जमीन पर गिरे तो कुछ नम जमीन पर गिरकर अंकुरित हो गए। चट्टान होने के कारण कुछ बीजों की जड़ें ज्यादा परिपक्व नहीं हो पाईं। इसलिए वो जल्द ही सूख गए। शेष बीज उपजाऊ जमीन पर गए और उनकी बालियों में दाने भर आए। इतना कहने के बाद प्रभु यीशु शांत हो गए।

फिर थोड़ी देर रुककर वह बोले, प्रभु का उपदेश देने वाला गुरु बीज बोने वाले किसान की तरह है। वह भक्त के हृदय में परमात्मा का संदेश रूपी बीज बोता है। लेकिन कुछ भक्त पथरीली धरती की तरह होते हैं। जिन्हें गुरु पर तुरंत विश्वास होता है और तुरंत नष्ट हो जाता है। उन्हें सांसारिक चिंताओं ने वशीभूत किया हुआ होता है। शेष भक्तों का हृदय बेहद उपजाऊ होता है। ऐसे भक्त संदेश को श्रद्धापूर्वक ग्रहण करते हैं। वे स्वयं इस आनंद की वर्षा में भीगते हैं और औरों को भी भिगो देते हैं। यह जीवन की सच्चाई है।

सामयिक

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निरस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे।

लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरुद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए।

कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी। गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरुद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं।

क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहुलियतभरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं।

सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह एवं शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है। इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए।

जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया।

नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। जम्मू-कश्मीर में गरीबी, अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ अभी लम्बा सफर तय करना बाकी है। आतंकवाद के पैर उखाड़ने के लिये जनता एवं सरकार की मिली-जुली शक्तियां सामने आये।

नजरिया

मच्छर जनित फाइलेरिया बीमारी से करोड़ों लोग हुए संक्रमित

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

देश में मच्छर जनित बीमारियों से लोगों की सेहत को जूझना पड़ रहा है। मानसून में देशभर में भारी बारिश और घर घर में दीपावली सफाई के दौरान मच्छरों के आतंक से आमजन को दो दो हाथ करने पड़ रहे है। मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों के बीच फाइलेरिया नामक एक मच्छर जनित बीमारी के बारे में आयी मीडिया रिपोर्ट से लोग चिंतित हो उठे है। इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के लगभग 74 करोड़ लोगों को फाइलेरिया का रिस्क यानि जोखिम है। फाइलेरिया एक संक्रामक बीमारी है, जो मच्छर के काटने से फैलती है। इसके कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है यानी शरीर के किसी हिस्से में फ्लूइड जमा हो सकता है। कई मामलों में तो इससे विकृति या विकलांगता भी हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार 3.1 करोड़ लोग इससे संक्रमित हैं। इनमें लगभग 2.3 करोड़ लोग सिंप्टोमेटिक हैं यानी उनके शरीर में इसके लक्षण नजर आते हैं। ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो फाइलेरिया से संक्रमित हैं पर उनके शरीर में इसके कोई लक्षण नजर नहीं आते हैं। इसके बावजूद उनका लिम्फेटिक सिस्टम और किडनी डैमेज हो रहे हैं।

बताया जाता है हाल ही में नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल ने इस बीमारी से निपटने के लिए 6 राज्यों के 63 जिलों को टारगेट करके एक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान चलाया। इसका उद्देश्य साल 2023 में अचीव किए गए 82.5 प्रतिशत कवरेज रेट को पार करना था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस बीमारी से जो अंग प्रभावित होता है, वह सूजकर भारी-भरकम हो जाता है। आमतौर पर इसके चलते पैर का आकार बहुत भारी हो जाता है। फाइलेरिया का मुख्य कारण परवीजी होते हैं। ये हमारे लिम्फेटिक सिस्टम को धीरे-धीरे खराब करते हैं। पहले इसका असर इंटरनल ऑर्गन्स पर होता है। इसलिए शुरुआत में कुछ पता नहीं चलता है। जब संक्रमण बहुत बढ़ जाता है तो शरीर के बाहरी अंगों में भी इसका असर दिखने लगता है।

मच्छरों की मार को साइलेंट अटैक भी कहा जाता है जिसे लोग गंभीरता से नहीं लेते। और जब तक आप संज्ञान लेते है तब तक मच्छर अपना काम

कर चुके होते है। दुनिया में करोड़ों लोग मच्छर के काटने से बीमार हो जाते हैं। वहीँ हर साल करीब 10 लाख लोग मच्छर काटने से मर जाते हैं। मौसम बदलने के साथ मच्छर भी चहुंओर दिखाई देने लगते है। इस समय मौसम में बदलाव के चलते शहर से लेकर गांव तक मच्छरों का आतंक फैला हुआ है। हमारे सँभलने से पहले मच्छर छोटे से बड़ों तक को काटना शुरू कर देते है। जरुरी नहीं सभी मच्छर विषेलें हो मगर ये मच्छर आपको कब बीमार कर दें। इसका पता भी तब चलता है जब हम मच्छर जनित बीमारी के शिकार हो जाते है।

विशेषज्ञों के अनुसार मादा एनोफेलीज कूलिसिफासीस मलेरिया का प्रमुख रोग वाहक है, जो कि आमतौर पर मनुष्यों के साथ-साथ मवेशियों को भी काटता है। एनोफेलीज वर्षा जल और इकट्ठा हुए जल, गड्ढे, कम जल युक्त नदी, सिंचाई माध्यम, रिसाव, धान के खेत, कुंए, तालाब के किनारे, रेतीले किनारे के साथ धीमी धाराओं में प्रजनन करती है। एनोफेलीज मच्छर सबसे ज्यादा शाम और सुबह के बीच काटता है। मादा एडीज एजिप्ट मनुष्य में डेंगू, चिकनगुनिया, जीका और पीला बुखार संचारित करती है। मादा एडीज सबसे अधिक दिन के समय काटती है तथा काटने का चरम समय संध्या से पहले शाम या सुबह के दौरान होता है। एडीज एजिप्ट मच्छर किसी भी प्रकार के मानव निर्मित कंटेनरों या पानी की थोड़ी सी मात्रा से युक्त भंडारण करने वाले कंटेनरों में प्रजनन करती है। एडीज एजिप्ट के अंडे एक वर्ष से अधिक समय तक बिना पानी के जीवित रह सकते हैं। एडीज एजिप्ट सामान्यत चार सो मीटर की औसत पर उड़ती है, लेकिन यह एक स्थान से दूसरे स्थान तक मनुष्य के माध्यम से अकस्मात स्थानांतरित होती है। मादा मच्छरों के लिए केवल रक्त आहार और जानवरों को काटने की आवश्यकता होती है, जबकि पुरुष मच्छर काटते नहीं है, लेकिन वे फूलों के मकरंद या अन्य उपयुक्त शर्करा स्रोत को खाते हैं।

नजरिया

सावधान : अनजाने में मिलावटखोरी के जहर का सेवन

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

आज के समय में शुद्ध आहार मिलना बेहद मुश्किल हो गया है क्योंकि हर कोई अपने फायदे के लिए दूसरों की जान लेने पर तुला है। कुछ सालों में देश में कैंसर, हृदय विकार, ब्रेन स्ट्रोक और मानवीय अंगो के विफल होने की तादाद अत्यधिक बढ़ गयी है। हर उम्र के लोगों में असामयिक मौत का आंकड़ा लगातार ऊंचाई छू रहा है और मनुष्य शारीरिक व मानसिक तौर पर कमजोर हो रहा है। इन समस्या की मुख्य जड़ मिलावटखोरी का जहर और जहरीला प्रदुषण है। अनजाने में ही सही लेकिन मिलावटखोरी के जहर और प्लास्टिक का सेवन हम रोज कर रहे है। नागपुर का सरकारी अस्पताल, जो एशिया के बड़े अस्पतालों में गिना जाता है, वहां हाल ही में हजारों मरीजों को नकली दवाइयां बाँटी गयी। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में प्रसाद के लड्डू में पशु चर्बी के मिलावट का पर्दा फाश हुआ। फसलें पर हानिकारक कीटनाशकों का छिड़काव, अनाजों को पोलिश, खाद्यपदार्थों को आकर्षक बनाने के लिए घातक रासायनिक रंगों का प्रयोग, फलों को जल्द पकाने के लिए जानलेवा रसायनों का इस्तेमाल और नकली खाद्यपदार्थ का धड़ल्ले से प्रयोग कर आम लोगों की जान से खिलवाड़ किया जाता है और खाद्य पदार्थों में अस्वछता की गंभीर समस्या तो पहले से ही बनी है। फसलों पर छिड़काव किये जानेवाले कीटनाशकों के जहर के असर का इसी बात से अंदाजा लगा सकते है कि छिड़काव के दौरान असावधानी होने पर मनुष्य तुरंत जान गवांता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2020 से 2021 में भारत में कीटनाशक विषाक्तता से संबंधित मौतों की संख्या में 67 की वृद्धि हुई हैं। पिछले सप्ताह नागपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में खेत से बहने वाले पानी को पीकर बाघ की मौत हो गयी, क्योंकि वह कीटनाशक मिश्रित जहरीला पानी था।

हमारे देश में त्योहार आते ही जरुरी उत्पादों की मांग बढ़ जाती है और आश्चर्य की बात है कि मांग बढ़ने पर पूर्ति की सामग्री सिमित होने के बावजूद सामग्री के सप्लाई में कमी नहीं आती है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र राज्य में कोजागिरी पूर्णिमा के दिन दूध का विशेष पेय बनाया जाता है। इस दिन दूध की मांग अन्य दिनों के मुकाबले दोगुनी से अधिक होने के बावजूद पूर्ति उससे भी ज्यादा उपलब्ध होती है। अब ऐसा नहीं हो सकता कि केवल खास दिवस पर ही दुधारू पशु दुगना दूध देते है और उत्पादन एक दिन में दुगना हो जायें। अगर गाय एक दिन में 10 लीटर दूध देती है, तो रोज की तरह 10 लीटर ही दूध देगी, फिर अचानक मार्केट में दूध की आपूर्ति कैसे बढ़ जाती है?

मिलावट की इस खाद्य सामग्रियों से स्वास्थ्य की रक्षा कैसे करें? यह गंभीर सवाल उपस्थित होता है। गुणवत्ताहीन और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन के मामले में फिलहाल हम शिखर पर है। चिकित्सक कहते हैं कि जंक फूड खराब होता है, फलों का सेवन करना बेहतर है, लेकिन अब मार्केट में कैसे फल खरीदे? अपना एक अनुभव साझा कर रहा हूँ, दो दिन पहले मैंने शहर के मुख्य फल मार्केट से अच्छे गुणवत्ता के सेब और मौसंबी खरीदी थी। फलों का बाहरी आवरण देखकर, अच्छी तरह छाँटकर फल खरीदने के बावजूद दूसरे दिन ही उसमे से आधे से ज्यादा फल सड़ गए। फल खरीदते वक्त मैंने फल विक्रेता से आजकल के गुणवत्ताहीन फलों के बारे में शिकायत भी की थी, तो फल विक्रेता का कहना था, कि उनके पास के फल बहुत उच्च गुणवत्ता के है, कोई शिकायत नहीं होगी, फिर भी फल खराब निकले। फलों के जल्दी खराब होने की मुख्य वजह उन पर होने वाली घातक रासायनिक प्रक्रिया है और दूसरी वजह पल-पल बदलता मौसम है।

कंज्यूमर गाइडेंस सोसायटी ऑफ इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट में पाया गया कि बाजार में उपलब्ध 797 ब्रांडेड या खुला दूध अयोग्यता का गंभीर विषय है। साल 2019 में दूध के पैकेट के 413 नमूनों का परीक्षण किया गया था, उनमें से केवल 87 दूध के नमूने ही भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानक विनिर्देशों के अनुसार योग्य पाए गए। स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालने वाले दूध में कुछ प्रमुख मिलावट यूरिया, फॉर्मेलिन, डिटर्जेंट, अमोनियम सल्फेट, बोरिक एसिड, कास्टिक सोडा, बेंजोइक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, हाइड्रोजन पेरोक्साइड, शर्करा और मेलामाइन हैं। दूध केवल हम पीते ही नहीं है, बल्कि हजारों तरह के खाद्यपदार्थ, मिठाइयां और व्यंजन बनाने में इसी दूध का प्रयोग होता है। देश में उत्पादन से ज्यादा दूध बेचा जाता है। आज दूध से बने अधिकतर खाद्य पदार्थों में शुद्ध दूध का स्वाद ही महसूस नहीं होता है। जबकि उत्पाद पूर्णत शुद्ध है, हमें ये समझाने का भरसक प्रयास विक्रेता करता है। रिसर्च कहता है कि देश में हर तीसरा व्यक्ति नकली दूध का सेवन कर रहा है।

आज की पीढ़ी बाहर खाना पसंद करती है, हर चीज उन्हें इंस्टेंट चाहिए, गुणवत्ता नहीं, सिर्फ स्वाद ही मायने रखता है। अक्सर सोशल मीडिया पर बहुत से वायरल वीडियो में स्ट्रीट फूड के रंगबिरंगे व्यंजन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक दिखाई पड़ते है। 20-30 रुपये के व्यंजन में भी खूब भर-भरकर बटर, पनीर डाला जाता है, जैसे वह शुद्ध बटर न होकर साधा पानी हो, उसकी कीमत के हिसाब से गुणवत्ता क्या होगी, वह हम समझ सकते है। निम्न दर्जे के खाद्य पदार्थ, अधिकतम पैकेट बंद मसाले, सॉसेज, चटनी, और तेल का अधिकतम प्रयोग, स्वच्छता की कमी नजर आती है। बहुत बार खाद्य पदार्थ तलने के बाद भी वह तेल बार-बार उपयोग में लाया जाता है। गर्म खाद्यपदार्थों में भी प्लास्टिक का प्रयोग बेहद हानिकारक है फिर भी उपयोग किया जाता है। ज्यादातर ऐसे व्यंजनों में गुणवत्ता से समझौता किया जाता है और पोषक तत्वों की जगह केवल विषाक्त तत्व ही दिखाई पड़ते है। बाहरी खाद्य पदार्थों में अधिकतर मिलावटी सामग्री के प्रयोग की संभावना ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए अगर हम मार्केट से साबुत मसाले लाकर घर पर पिसा मसाला बनाएं, मूंगफली से तेल, दूध से पनीर, टमाटर से सॉस बनाये फिर भी मार्केट में तैयार उत्पाद से कई गुना महंगा उत्पाद हमारा होगा। फिर मार्केट में इतने सस्ते में उत्पाद कैसे बिकते है? जबकि महंगाई का जमाना है।

मिलावटी भोजन अत्यधिक विषैला होता है और कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है, मिलावटी भोजन के सेवन से दस्त, मतली, एलर्जी, मधुमेह, हृदय रोग, किडनी विकार, गुर्दे, कैंसर, लेथिरिज्म, तंत्रिका तंत्र से संबंधित रोग और यकृत सहित अंग प्रणालियों की विफलता शामिल है। कुछ मिलावटों में कार्सिनोजेनिक, क्लैस्टोजेनिक और जीनोटॉक्सिक गुण पाए गए हैं।

लैंसेट के अध्ययन में पाया गया कि 2019 में भारत में दूषित पानी से पांच लाख से अधिक मौतें हुईं। हमारे देश में अधिकतर खाद्य पदार्थ हानिकारक तत्वों के साथ मौजूद है, देश में नकली शराब से भी हर साल बड़ी संख्या में मौतें होती है। आज किसी भी खाद्यपदार्थ को सौ फीसदी शुद्ध कहना बहुत मुश्किल है। जंक फूड, मैदा, शक्कर, नमक, तेल पहले से ही धीमे जहर की तरह काम करके घातक बीमारियों से हमें जकड रहे है, ऊपर से देश में बढ़ता प्रदुषण हमारी सांसे कम कर रहा है। लैंसेट अध्ययन के अनुसार, 2019 में भारत में प्रदूषण के कारण 23 लाख से ज़्यादा असामयिक मौतें हुईं। इस मिलावटखोरी की दुनिया में कुछ भी शुद्ध होने का भरोसा नहीं होता। जागरूक रहें, दिखावे पर न जाएं, चटोरी जबान पर नियंत्रण रखें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें, घर के खाद्य पदार्थों को ही प्राथमिकता दें और स्वस्थ रहें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जानकारी

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक शक्ति राज परिहार, जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष बलवंत सिंह मनकोटिया के साथ मंगलवार को श्रीनगर में गगनगीर आतंकी हमले के पीड़ितों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी लेने के लिए एसकेआईएमएस अस्पताल पहुंचे।

सिंगापुर के संस्थापक के बेटे यांग ने कहा, मैं अब ब्रिटेन में एक राजनीतिक शरणार्थी हूं

सिंगापुर/भाषा

आधुनिक सिंगापुर के संस्थापक, दिवंगत ली कुआन यू के सबसे छोटे बेटे ली सीन यांग ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अंतिम विकल्प के रूप में ब्रिटिश सरकार से शरण देने की मांग की थी, जिसे मंजूर कर लिया गया है और अब वह ब्रिटेन में एक राजनीतिक शरणार्थी हैं।

'चैनल न्यूज एशिया' (सीएनए) ने यांग के एक फेसबुक पोस्ट के हवाले से खबर प्रसारित की, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं अब भी सिंगापुर का नागरिक हूं और उम्मीद करता हूं कि किसी दिन (मेरे लिए) स्वदेश लौटना सुरक्षित होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री ली सीन लूंग के छोटे भाई यांग ने उनके खिलाफ सिंगापुर सरकार के 'हमलों' का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने साल 2022 में अंतिम विकल्प के रूप में ब्रिटिश सरकार से शरण देने की मांग की थी, जिसे मंजूर कर लिया गया है और अब वह ब्रिटेन में एक राजनीतिक शरणार्थी हैं।

यांग और उनकी बहन ली वे लिंग (जिनका अक्टूबर की शुरुआत में निधन हो गया) का लूंग के साथ इस बात को लेकर मतभेद है कि उनके पिता ली कुआन यू के गुजरने के बाद उनके आवास का क्या किया जाए। ली कुआन यू का 2015 में निधन हो गया था। ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' को दिए साक्षात्कार में यांग ने आरोप लगाया कि सिंगापुर में उनके खिलाफ चलाए जा रहे उत्पीड़न अभियान ने उन्हें ब्रिटेन से शरण की गुहार लगाने के लिए मजबूर किया। यांग के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंगापुर सरकार ने कहा कि यांग के खिलाफ उत्पीड़न अभियान चलाए जाने के आरोप और देश में राजनीतिक दमन के दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, सिंगापुर की न्यायपालिका निष्पक्ष है और स्वतंत्र रूप से फैसले लेती है। यही कारण है कि सिंगापुर के लोगों का न्यायपालिका पर बहुत अधिक का भरोसा है।

प्रदर्शन

भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को नई दिल्ली में पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े कथित शीशमहल 'टॉयलेट सीट घोटाले' को उजागर करने के लिए दिल्ली भाजपा युवा और महिला मोर्चा द्वारा आयोजित शांगरी-ला होटल चौक से फिरोज शाह रोड की ओर एक प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

सलमान को धमकी संदेश भेजने वाले व्यक्ति ने माफी मांगी

मुंबई/भाषा

मुंबई यातायात पुलिस को उस मोबाइल नंबर से एक माफीनामा मिला है, जिससे पहले बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से पांच करोड़ रुपए की मांग करने वाला धमकी भरा संदेश भेजा गया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने विस्तृत जानकारी दिए बगैर बताया कि माफी वाला संदेश सोमवार को यातायात पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर मिला। उन्होंने

बताया कि जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि माफीनामा उसी मोबाइल नंबर से भेजा गया है जिसका इस्तेमाल पहले धमकी भरा संदेश भेजने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि संदेश भेजने वाले व्यक्ति ने यह भी कहा था कि धमकी को हल्के में न लिया जाए।

वर्ली पुलिस थाने में धमकी और वसूली के लिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

सलमान को पहले भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जान से मारने की धमकियां मिली थीं। पुलिस के अनुसार, बिश्नोई गिरोह के सदस्यों ने इस साल अप्रैल में अभिनेता के बांद्रा स्थित घर के बाहर गोलियां चलायी थीं।

कुछ महीने पहले नवी मुंबई पुलिस ने सलमान को मारने की बिश्नोई गिरोह की एक साजिश का पर्दाफाश किया था।

सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के साथ साझेदारी कर रोमांचित हैं मौनी रॉय

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री मौनी रॉय ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के साथ साझेदारी कर रोमांचित हैं। सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स दिल्ली में दो नए रिटेल लोकेशंस पीतमपुरा और चांदनी चौक में ग्रैंड ओपनिंग की घोषणा करते हुए उत्साहित है। मौनी रॉय ने इसका उद्घाटन किया।नए स्टोर्स में हस्तनिर्मित आभूषणों का शानदार संग्रह होगा, जिसमें एवरलाइट की समकालीन डिज़ाइन और टेम्पल ज्वेलरी, शक्ति कलेक्शन, शगुन कलेक्शन जैसी पारंपरिक पसंदीदा डिज़ाइन शामिल हैं, जो हर अवसर के लिए उपयुक्त हैं।

स्टोर के लॉन्च पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, मौनी रॉय ने कहा,

मैं सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के साथ साझेदारी कर बहुत रोमांचित हूं, क्योंकि यह बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से दर्शाता है। उनकी जटिल डिज़ाइन और कारीगरी मुझे दुर्गा पूजा के दौरान मेरी माँ और दादी द्वारा पहने गए सुंदर आभूषणों की याद दिलाती हैं। यह देखकर खुशी होती है कि सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स बंगाल की कला को दिल्ली तक लेकर आ रहा है।

भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है: निर्मला सीतारमण

न्यूयॉर्क/भाषा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतियां पेश कर सकता है, लेकिन भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब देश अपनी आपूर्ति शृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, तो भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के स्रोतों में विविधता लाने के इच्छुक कई देशों के लिए प्रमुख साझेदार बनेगा।

सीतारमण ने सोमवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'चुनौतीपूर्ण तथा अनिश्चित वैश्विक माहौल के बीच भारत की आर्थिक मजबूती व संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत घरेलू क्षमताओं को बढ़ाने तथा बाहरी झटकों के प्रति मजबूती विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है।

सीतारमण ने कहा, '' हालांकि पिछले दशकों में व्यापक बहुपक्षीय व्यापार के कारण वैश्विक वृद्धि हुई है लेकिन मेरा मानना है कि आने वाले वर्ष रणनीतिक आर्थिक साझेदारियों द्वारा परिभाषित होंगे और भारत इस परिवर्तन का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।''

उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण चुनौतियां पेश कर सकता है, लेकिन '' भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है।''

वित्त मंत्री ने कहा, '' अधिक विखंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना, जिसमें पुनर्परिभाषित गठबंधन तथा बदलते व्यापार तरीके शामिल हैं...वास्तव में भारत के लिए लाभकारी हो सकता है। जैसे-जैसे राष्ट्र अपनी आपूर्ति शृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हैं, भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के अपने स्रोतों में विविधता लाने की चाह रखने वाले कई देशों के लिए एक प्रमुख भागीदार बन जाएगा।''

भारत की आर्थिक नीतियों पर इस व्याख्यान का आयोजन कोलंबिया के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में दीपक एवं नीरा राज सेंटर द्वारा किया गया था।

सीतारमण मैक्सिको की यात्रा संपन्न करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचीं। मैक्सिको में उन्होंने ग्वाडलजारा में टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता की थी। मंत्री ने ग्वाडलजारा में टीसीएस मुख्यालय का दौरा भी किया था।

न्यूयॉर्क में उन्होंने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में 'भारत में निवेश के अवसर' पर एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। साथ ही आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद कृष्ण के साथ उन्होंने भारत के दशकीय आर्थिक सुधारों तथा आर्थिक वृद्धि पर एक चर्चा में हिस्सा लिया।

न्यूयॉर्क से सीतारमण वाशिंगटन डीसी जाएंगी। वहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठकों, जी-20 एफएमसीबीजी, पर्यावरण मंत्रियों एवं विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक और जी-7 - अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

'गो नोनी गो' में नजर आएंगी डिंपल कपाड़िया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'गो नोनी गो' में काम करती नजर आयेंगी। डिंपल कपाड़िया की फिल्म गो नोनी गो उनकी बेटी ट्विंकल खन्ना की शॉर्ट स्टोरी 'सलाम नोनी अप्पा' पर आधारित है। ट्विंकल खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म गो नोनी गो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, गो नोनी गो अपनी पहली स्क्रीनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है! सलाम नोनी अप्पा एक कहानी के रूप में शुरू हुई जिसे मैंने पहली बार अठारह साल की उम्र में लिखना शुरू किया था और अपने 40 साल की उम्र में पूरा किया। फिल्म गो नोनी गो का प्रीमियर बुधवार को मुंबई फिल्म फेस्टिवल में होगा। इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया, आयशा रजा, मानव कौल और अथिया शेट्टी भी हैं। इस फिल्म को सोनल डबराल और निखिल सचान ने लिखा है और सोनल डबराल ने ही इसे निर्देशित किया है।यह फिल्म पचास के दशक की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी एकमात्र साथी

उसकी जिंदादिल बहन है। इस फिल्म को समीर नायर, दीपक सहगल, ट्विंकल खन्ना, तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर के सहयोग से बनाया गया है।

शर्वरी ने सोशल मीडिया पर दिखाई फिटनेस की झलक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी ने सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस की झलक दिखायी है। शर्वरी ने सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस की झलक दिखाते हुए इस सोमवार जबरदस्त मोटिवेशन दी है।शर्वरी ने इस साल शानदार परफॉर्मेंस दी है। 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर मुंजा में शर्वरी ने सबका दिल जीत लिया, जिसमें उन्होंने साल का सबसे हिट डांस एंथम तरस भी दिया। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजन ने किया है और इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। वर्ष 2024 में अपनी सफलता की कड़ी जारी रखते हुए, शर्वरी ने वाईआरएफ की ग्लोबल हिट स्ट्रीमिंग फिल्म महाराज में शानदार अभिनय किया और फिर निखिल आडवाणी की वेदा में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेरा। अब,

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान, शर्वरी ने एक फिट पेडल खिलाड़ी के रूप में सोशल मीडिया पर अपने फैंस को प्रेरित किया है! शर्वरी ने अपनी फिटनेस तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया: मंडेमोटिवेशन दे रही हूं।शर्वरी इन दिनों अल्फा की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।अल्फा 25 दिसंबर 2025 को रिलीज़ होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं।

बैठक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मथुरा में जिला कलेक्ट्रेट के पास उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए।

स्वागत

सर्बिया के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर वुलिन मंगलवार को 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कज़ान हवाई अड्डे पर पहुंचे।

कई बार ऑफिसर के रोल ऑफर हुए लेकिन सबको नहीं स्वीकारा : काजोल

जयपुर/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल का कहना है कि यह डिफरेंट कहानी है। हालांकि मुझे भी ऑफिसर का रोल ऑफर हुए थे, लेकिन मैंने सबको नहीं स्वीकारा। क्योंकि बहुत सी चीजें होती हैं, जिनको देखना पड़ता है। काजोल ने अजय से कॉम्पीटिशन वाले सवाल पर मीडिया को बताया। काजोल शहर के एक होटल में अपनी अपकमिंग फिल्म दो पत्ती के प्रमोशन के सिलसिले में जयपुर आई थी। इस दौरान उनके साथ फिल्म एक्ट्रेस कृति सेनन और एक्टर शाहीर शेख मौजूद थे। काजोल ने करवा चौथ के सवाल पर कहा कि डीडीएलजे में करवा चौथ बहुत ट्रेंड हुआ था, जो आज भी याद किया जाता है। जब मैं मुंबई से जयपुर के लिए रवाना हो रही थी तो पूजा की थाली तैयार करके आई थी। उन्होंने कहा कि अजय अपनी फिल्मों में व्यस्त रहते हैं और उन्हें एक्शन फिल्में करने में महारथ हासिल हो चुकी है। फिल्म में पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने का मतलब यह नहीं कि मैं सिंघम से कॉम्पीटिशन करने जा रही हूं। काजोल ने सिंघम जैसी मूवी करने पर कहा कि उसमें बहुत हार्ड वर्क होता है। बहुत सारा एक्शन करना पड़ता है। इस पर क्रेक्शन मार्क है। देखते हैं क्या होता है। उन्होंने घर में सिंघम होने की बात को नकार दिया। इस दौरान तीनों सेलेब्रिटीज राजमंदिर सिनेमा में फैंस से रूबरू हुए। काजोल ने फिल्म इंडस्ट्री जयपुर में बनने पर विचार रखे। फिल्म सिटी प्रोजेक्ट को लेकर काजोल ने कहा कि सरकार का यह आइडिया अच्छा है। इस दिशा में काम पहले ही हो जाना चाहिए था। राजस्थान में खूबसूरत लोकेशंस हैं, जहां पर मुझे भी बहुत सारी फिल्मों में शूट करने का मौका मिल चुका है।

फिल्म 'बघीरा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

होम्बले फिल्म्स की फिल्म 'बघीरा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जबरदस्त टीजर और फर्स्ट सॉन्ग रुधिरा धारा के रिलीज के बाद, अब मेकर्स ने बघीरा का दमदार कन्नड़ ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर शानदार वीएफएक्स , दिलचस्प कहानी और कमाल के बैकग्राउंड म्यूजिक से भरपूर है। ट्रेलर में श्रीमुरली एक सुपरहीरो के रूप में नजर आ रहे हैं।होम्बले फिल्म्स द्वारा निर्मित बघीरा का निर्देशन डॉ. सूरी ने किया है और प्रशांत नील ने इसे लिखा है। फिल्म बघीरा 31 अक्टूबर को रिलीज होगी।

अभिनेत्री राधिका मुथुकुमार ने ऑन-स्क्रीन मां बनने के अपने अनुभव को साझा किया

मुंबई/एजेन्सी

एक मां होने के अनुभव को अक्सर प्यार और ताकत की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति माना जाता है, और हर स्त्री में यह एक स्वाभाविक भाव होता है। 'शेमारू उमंग'के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में वृंदा का किरदार निभाने वाली राधिका मुथुकुमार के लिए ऑनस्क्रीन मां की भूमिका निभाना एक बेहद संतोषजनक अनुभव रहा है। यह पहली बार है जब राधिका किसी शो में मां का किरदार निभा रही हैं और उन्होंने बताया कि कैसे यह किरदार उनके दिल के करीब आ गया है। राधिका मुथुमुकर अपने और वृंदा के किरदार के बीच गहरे संबंध को साझा करते हुए बताती हैं, वृंदा का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास यात्रा रही है। पहली बार मुझे ऑनस्क्रीन मां का किरदार निभाने का मौका मिला और जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट सुनी, तो मुझे तुरंत लगा कि मैं इसके लिए तैयार हूं।

मेरा मानना है कि हर औरत के अंदर एक स्वाभाविक मातृत्व की भावना होती है; मातृत्व का एहसास सिर्फ जैविक संबंधों तक सीमित नहीं होता। जब मैंने अपने ऑनस्क्रीन बेटे कान्हा के साथ काम करना शुरू किया, तो मैंने उसे कभी सिर्फ एक किरदार के रूप में नहीं देखा। मैंने उसे हमेशा अपने बच्चे की तरह ही महसूस किया। सेट पर और सेट के बाहर भी, हमारी बॉन्डिंग बिल्कुल प्राकृतिक है। हम साथ खेलते हैं, मैं उसकी देखभाल करती हूं और जब मैं सेट पर नहीं होती, तो वो मुझे ढूंढता है। यह जुड़ाव मेरे लिए बिल्कुल स्वाभाविक है। वह आगे कहती हैं, जब भी हम ऐसे सीन शूट करते हैं, जहां कान्हा को वृंदा से अलग किया जाता है, तो यह मेरे लिए बेहद भावुक पल होता है। उस बच्चे से अलग होने का ख्याल, जिसे आपने पूरे दिल से पाला हो वह असहनीय होता है और मैं उस भावनात्मक दर्द को वृंदा में उतारने की पूरी कोशिश करती हूं। यह एहसास बहुत ही सहज होता है शायद इसलिए ही कान्हा के साथ वाले सीन इतने प्रभावशाली लगते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 23-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट्। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

जीवन क्षणभंगुर है, इसलिए एक क्षण का भी प्रमाद न करें : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीवन की नश्वरता और क्षणभंगुरता को ध्यान में रखते हुए हमें हर पल का सदुपयोग करना चाहिए। मंगलवार एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज ने श्री मद् उत्तराध्ययन सूत्र के 10वें, 11वें और 12वें अध्याय का स्वाध्याय करवाते हुए यह महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य का शरीर नाशवान है, लेकिन आत्मा शाश्वत और अनंत शक्ति से परिपूर्ण है। यही आत्मा संसार के भ्रम, मोह और दुखों में भटकती रहती है, और इसका उद्धार तभी संभव है जब हम अपने कर्मों को शुद्ध करें और आत्म साक्षात्कार की ओर बढ़ें। युवाचार्यश्री ने इस बात पर बल दिया कि मनुष्य को अपने जीवन की क्षणभंगुरता को समझते हुए, एक-एक पल का सदुपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा मानव शरीर अस्थायी है, और अशुभ कर्मों के प्रभाव से यह जन्म-मरण के चक्र में फंसा रहता है। इस चक्र से मुक्ति पाने का एकमात्र मार्ग है-अपनी आत्मा के शुद्धिकरण और कर्मों के निगोद पर ध्यान केंद्रित करके परमात्मा की स्तुति करेगा तभी मानव भव को सार्थक बना पाएगा।

महेंद्र ऋषिजी ने विशेष रूप से चौरासी लाख योनियों की चर्चा की, जिसमें उन्होंने बताया कि मनुष्य जन्म इन सभी योनियों में सबसे श्रेष्ठ और दुर्लभ है। यदि हम इस अनमोल अवसर को प्रमाद में व्यर्थ कर देते हैं, तो हमारी आत्मा जन्म-मरण के इस अंतहीन चक्र से मुक्त नहीं हो पाएगी। इस जन्म का सदुपयोग कर हमें मोक्ष की ओर अग्रसर होना चाहिए, क्योंकि एक बार यह जीवन समाप्त हो गया, तो आत्मा को पुनः मानव जन्म पाने के लिए असंख्य योनियों के चक्र से गुजरना पड़ सकता है।.अशुभ कर्मों के कारण ही मनुष्य को असहनीय दुखों का सामना करना पड़ता है। इन कर्मों से मुक्ति पाकर ही हम संसार के दुखों और भटकाव से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा को शुद्ध करने और मोक्ष प्राप्त करने के लिए हमें विनम्रता, धैर्य और सदाचार का पालन करते हुए अहित से बचकर हित की ओर अग्रसर होता वही संसार के दुखों अपनी आत्मा को जन्म और मृत्यु से बचा सकता है ।

उन्होंने विशेष रूप से जोर देकर कहा कि आत्मा बलवान है, लेकिन शरीर कमजोर है। इस कारण हमें अपनी शारीरिक इच्छाओं और मोह-माया से परे आत्मा की शुद्धि और मोक्ष प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जब तक हम आत्मा को संसार के दुखों और भटकाव से बाहर नहीं निकालते, तब तक हम इस चक्र से बाहर नहीं निकल सकते। आत्मा का शुद्धिकरण और मोक्ष का मार्ग आत्मा के उद्धार के लिए सही ज्ञान, सम्यक दृष्टि और सच्ची साधना आवश्यक है। जब तक हम अपने कर्मों का शुद्धिकरण नहीं करते और आत्मा को ज्ञानार्जन के मार्ग पर नहीं ले जाते, तब तक यह संसार के दुखों से मुक्त नहीं हो सकती। अहितकारी विचार और कर्म आत्मा को और अधिक बांधते हैं, जबकि हितकारी कर्म और सन्मार्ग पर चलने से आत्मा को मुक्ति का मार्ग प्राप्त हो सकता है।

मंगल पाठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में 22 अक्टूबर को दादी परिवार के सान्निध्य में दीपावली के मौके पर दीप जलाकर मासिक मंगलपाठ का आयोजन किया गया। हर महीने किए जाने राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम तिरुपुर में पूरी श्रद्धा व भक्ति के साथ हुआ। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने दादी को चुनड़ उडाई। महिलाओं ने आपस में बधाई बांटी और दादी को मीठे मीठे भजनों से रिझाया।

केजी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने पाकशाला प्रतियोगिता में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में केजी के नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए बिना आग के पाकशाला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी ने सभी अभिभावकों का स्वागत किया एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन अपने बच्चों को पौष्टिक, स्वस्थ और सेहतमंद भोजन ही देना चाहिए। उनके खाने में अधिक से अधिक फल और हरी सब्जियों का उपयोग करना चाहिए ताकि उनका उचित शारीरिक और मानसिक विकास हो सके।

इस अवसर पर जिन बच्चों ने अभी-अभी कलम पकड़कर लिखना सीखा उन्ही बच्चों ने अपने छोटे छोटे हाथों से बिना आग के कई तरह के व्यंजन बनाकर एवं सजाकर यह साबित कर दिया कि वह हर काम में रुचि रखते हैं। सेहतमंद भोजन करने का संदेश देते हुए बच्चों ने सभी व्यंजनों में फल और सब्जियों का भरपूर उपयोग किया। विद्यालय के वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव ने सभी विजेता छात्रों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस कार्यक्रम में केजी विभागाध्यक्षा प्रीति कुमार तथा अन्य सभी शिक्षिकाओं ने एवं अभिभावकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

'मैं हूँ स्वयं अपना भाग्य विधाता' : साध्वी डॉ गवेषणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के माधावरम् जैन तेरापंथ नगर में साध्वी श्री डॉ गवेषणाश्रीजी के सान्निध्य में 'गुड लक, गुड लाइफ' विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने कहा कि नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट्। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

साध्वी श्री मयंकप्रभा ने कहा कि जब बच्चे की नाभी का छिन्दन अपनी माँ से अलग हो जाता है, तब उसका सीधा संबंध पृथ्वी से और प्रत्येक ग्रहों से हो जाता है। साध्वी श्री दक्षप्रभाजी ने मधुर गीत प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता मानव सिंघवी ने कहा कि हमारा शरीर पंच तत्वों से बना है, और यही तत्व ग्रहों, राशियों और नक्षत्रों में विद्यमान हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि केन्द्रों पर क्या प्रभाव पड़ता है, और कुछ नवग्रह तीर्थकरों का जप कराया। यह आयोजन रात्रिकालीन रंगों के साथ हुआ और इसमें काफी संख्या में भाई-बहनों ने भाग लिया। आयोजन बहुत ही प्रभावशाली रहा और इससे आंतरिक आनंद की अनुभूति हुई। मुख्य वक्ता को प्रबंधन्यासी घीसुलाल बोहरा, रमेश परमार, माणकचंद राँका, तेजराज पूनमिया ने सम्मानित किया। संचालन सुरेश रांका ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रवीण सुराणा ने किया।

ऑनलाइन वर्कशॉप — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में श्री अग्रवाल महिला समिति द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन वर्कशॉप में महिलाओं को यज्ञ विधि सिखाने के लिए आचार्य श्रीमती शोभा आर्य ने सरल तरीके से मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ की प्रक्रिया को समझाया। कार्यक्रम की शुरुआत समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता खेमका के स्वागत भाषण से हुई। इस वेबिनार में 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और अपने-अपने घरों में हवन सामग्री के साथ यज्ञ किया। आचार्य श्रीमती शोभा आर्य ने यज्ञ को घर-घर पहुंचाने और इसे सनातन धर्म की पहचान के रूप में बढ़ावा देने की बात कही। इस अवसर पर अग्रवाल सभा चेन्नई के अध्यक्ष विजय गोयल, अग्रवाल महिला समिति की टीम और अन्य सम्माननीय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंजु जालान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

रेप्को बैंक को दो पुरस्कार मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही रेप्को बैंक को लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय सहकारी बैंकिंग शिखर सम्मेलन में सहकारी बैंकों के बीच सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए फ्रंटियर्स इन को-ऑपरेटिव बैंकिंग अवार्ड्स 2024 से दो पुरस्कार मिले हैं। बैंक को सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधन पहल और सर्वश्रेष्ठ केवाईसी पहल के लिए पुरस्कार मिले। पुरस्कार रेप्को बैंक के अध्यक्ष ई. संथानम, रेप्को होम फाइनेंस लि. के अध्यक्ष सी. थंगाराजू, प्रबंध निदेशक (प्रभारी) ओएम गोकुल ने प्राप्त किए।

शसुन जैन महिला महाविद्यालय में स्वर्ण जयंती महोत्सव

दो दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी अधिवेशन में पहुंचे देशभर के लेखक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

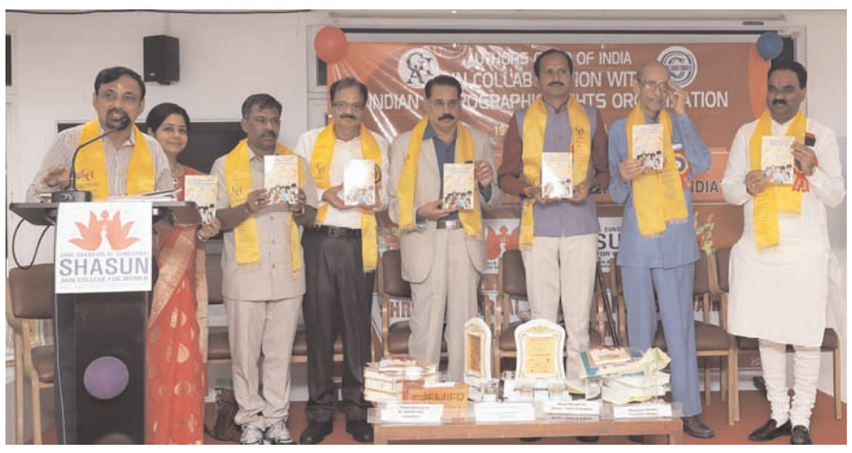

चेन्नई। ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (एजीआई) के 47वें अधिवेशन का उद्घाटन शनिवार को सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ क्लासिकल तमिल के डायरेक्टर प्रोफेसर आर चंद्रशेखर ने शंकरलाल सुंदरबाई शसुन जैन महिला कालेज में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यह हिन्दी सम्मेलन दो दिनों तक चला। इसका विषय था 'लेखकों का अधिकार एवं बहुभाषी भारत' एवं 'भारतीय भाषाएं और अनुवाद' था।

सम्मेलन का आयोजन इंडियन रेप्रोग्राफिक राइट्स आर्गनाइजेशन के सहयोग से किया गया था। मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने कहा कि तमिल और हिंदी का संगम अत्यंत प्रेरक है। एजीआई देशभर के सभी लेखकों को जोड़ने का कार्य करता है, यह अभिनंदनीय है। उन्होंने कहा कि तमिल का साहित्य अत्यंत समृद्ध है इसका हर भाषा में अनुवाद होना चाहिए्। क्लासिकल तमिल केन्द्रीय संस्थान, चेन्नई द्वारा प्रकाशित संत कवि तिरूवल्लुवर के दोहों की भारत की सभी भाषाओं तथा बोलियों में अनुदित पुस्तकों का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया।

विशिष्ठ अतिथि प्रो. आर चन्द्रशेखरन केन्द्रीय तमिल संस्थान, चेन्न्ई एवं अतिथि मालन नारायण तमिल एवं अंग्रेजी लेखक उपस्थित थे, इनका हार्दिक स्वागत अशोक जैन द्वारा किया गया। थे प्रथम एवं द्वितीय सत्राध्यक्ष डॉ. श्याम सिंह शशि एवं चेयरपर्सन मालन नारायण थे।

पद्मश्री सम्मानित डॉ. श्याम सिंह शशि (एजीआई अध्यक्ष), महासचिव एस.एस अवस्थी, चेन्नई एवं पुदुचेरी के संयोजक अशोक कुमार जैन तथा अजय अवस्थी (राष्ट्रीय संयोजक) के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन अवसर पर बोलते हुए डॉ. श्याम सिंह शशि ने कहा कि एजीआई का राष्ट्रीय एकता में बड़ा योगदान है। देश की समस्त भाषाओं में लिखने वाले लेखक इस आयोजन में एकत्रित होकर उत्तम साहित्य का आदान-प्रदान करते हैं जिससे सभी साहित्यकार भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं। इससे देश का साहित्यिक संसार समृद्ध बनता है।

डॉ शशि ने लेखकों से आह्वान किया कि अच्छे शब्दों को सदैव गढते रहना चाहिए्। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभाषा की उन्नति के लिए सभी भाषा के साहित्यकारों को योगदान देना चाहिए ताकि हिंदी विश्व भाषा बनकर उभरे। साहित्य देश की आत्मा होता है इसे सदैव जगाते रहना होगा। इस मौके पर संस्था के महासचिव शिवशंकर अवस्थी ने एजीआई के बारे में विस्तृत जानकारी दी। तमिल लेखक मालन नारायण ने भी अपने विचार व्यक्त किया। देश भर से आए एजीआई की विभिन्न इकाइयों के संयोजकों ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। उनका संस्था की ओर से सम्मान किया गया। वैगलोर इकाई की वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अहिल्या ने भी कहा कि भाषा शब्दों को जोड़ना सिखाती है न कि तोड़ना। चेन्नई इकाई के संयोजक अशोक कुमार जैन ने सत्र का संचालन करते हुए हिन्दी को हमारी आन, शान की भाषा का दर्जा देते हुए सत्र की शुरूआत कि एवं बताया कि हिन्दी एकमात्र भाषा जो देश को ही नहीं बल्कि दिलों को जोड़ने का काम करती है। हमारी अपनी मात्रभाषा के साथ-साथ उस भाषा का भी सम्मान करना चाहिए जो हमारी जीवनोपार्जन का माध्यम है।

शसुन कालेज की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.सरोज सिंह ने कहा कि साहित्य के प्रति वर्तमान पीढ़ी की उदासीनता बड़ी चिंता का विषय है। हमें उन तरीकों पर काम करना होगा जिससे कि नई पीढ़ी साहित्य में रुचि लें। उन्हें वर्तमान समय की प्रासंगिकता से जोड़ने पर साहित्य की ओर रुचि बढ़ानी होगी। पहले दिन में 3 सत्र चलाएं गए जिसमें लगभग 15 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। अशोक कुमार जैन की पुस्तक 'हिन्दी बोलचाल बोधिनी' का विमोचन मुख्य अतिथि एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. श्याम सिंह शशि के करकमलों द्वारा किया गया। काव्य गोष्ठी के साथ सत्र का समापन हुआ।

दूसरे दिन के सत्र का संचालन नागपुर इकाई के संयोजक नरेंद्र परिहार ने किया। वक्ताओं ने भाषाई अनुवाद की विभिन्न समस्याओं पर लेखकों का ध्यान खींचा। उनका कहना था कि अनुवाद में भाव को ध्यान में रखना चाहिए्। यह काम कठिन होता है। इस सत्र में हिन्दी, तमिल, कन्नड़, मराठी, तेलुगु, मलयालम अन्य भाषाओं में प्रपत्र वाचन हुआ जो भाषाओं की एकता को दर्शाता है।

इस कार्यक्रम में देशभर के 70 से ज्यादा साहित्यकारों का आगमन इस बात को साबित करता है कि भाषाएं भले ही एक न हो पर भावनाओं से आदान-प्रदान की भाषा एक है। चेन्नई के व्यंग्य साहित्यकार बीएल आच्छा ने कहा कि मनुष्यता के सच्चे उपासक साहित्यकार ही हैं्। भारत में सदैव साहित्यिक एवं सांस्कृतिक एकता रही है। अनुवाद की परंपरा को बहुत तेजी से बढ़ाना जरूरी है ताकि अच्छा साहित्य सभी पाठकों को मिल सके। हिंदी अंग्रेजी से भी ज्यादा समृद्ध बने ऐसा सभी साहित्यकारों का प्रयास होना चाहिए्। डॉ अशोक कुमार जैन एवं डॉ. सरोज सिंह के धन्यवाद ज्ञापित किया।

रूसी कृष्ण भक्तों ने भजन गाकर कजान में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कजान (रूस)/भाषा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए मंगलवार को कजान पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत इस्कॉन के कृष्ण भक्तों द्वारा संस्कृत स्वागत गीत, रूसी नृत्य और कृष्ण भजन के साथ किया गया।

भारतीय समुदाय के लोगों ने होटल कॉर्स्टन में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। वे भारतीय तिरंगा लेकर नारे लगा रहे थे। कई लोग अपने मोबाइल फोन से सेल्फी लेते भी दिखे।

जब प्रधानमंत्री ने उनमें से कुछ लोगों से हाथ मिलाया तो उन्होंने संस्कृत में एक स्वागत गीत गाया।

पारंपरिक भारतीय परिधान पहने रूसी कलाकारों की एक टीम ने रूसी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे मोदी ने बड़ी दिलचस्पी से देखा। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कृष्ण कॉन्शसनेस (इस्कॉन) के कुछ भक्तों ने कृष्ण भजन की प्रस्तुति भी दी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक अद्भुत जुड़ाव। कजान में स्वागत के लिए आभारी हूं। भारतीय समुदाय ने अपनी उपलब्धियों से पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता भी उतनी ही खुशी देने वाली है।''

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.